वैशाख शुक्ल पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 310 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

08 मई 2025 गुरुवार

आज का मौसम

30 अधिकतम

21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

पुंछ-राजौरी में गोलीबारी से 12 मौतें, सरकार ने फिर सर्वदलीय बैठक बुलाई

तगड़ी घेराबंदी..सभी एयर डिफेंस यूनिट एक्टिव, पाकिस्तान दोनों तरफ से फंसा

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बौखलाया पाकिस्तान नियंत्रण सीमा पर लगातार गोलीबारी कर रहा है, यही नहीं, बल्कि वह अनर्गल दावे भी कर रहा है। मगर भारतीय सेना और वायुसेना हाईअलर्ट पर है, देश की सभी एयर डिफेंस यूनिट्स को एक्टिवेट कर दिया गया है। वहीं पाक सेना पर बलोच आर्मी भी हमले कर रही है। इधर, कश्मीर राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में आंगनबाड़ी व स्कूलों को बंद कर दिया गया है। पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी के चलते जम्मू के पांच जिलों जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ में सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। हालांकि पाकिस्तान की पुंछ और राजौरी इलाकों में भारी गोलाबारी में कम-से-कम 12 नागरिकों की मौत की खबरें हैं तो एक सैनिक भी शहीद हुआ है। दूसरी तरफ पाक मीडिया ने दावा किया कि भारत ने आज फिर से पाकिस्तान में ड्रोन अटैक किया। यह ड्रोन पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के गुजरांवाला के डिंगा इलाके में खेतों में गिरा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि लाहौर के वाल्टन रोड के पास कई धमाकों की आवाज सुनी गई है। इससे डरकर लोग घरों से बाहर निकल आए।

इधर पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आज सर्वदलीय बैठक में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी दी। बैठक में अमित शाह और किरेन रिजीजू भी रहे तो विपक्ष की ओर से राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि सरकार की और से सभी दलों को ऑपरेशन सिंदूर के साथ ही भविष्य की तैयारियों के संबंध में भी जानकारी दी गई है।

यह तो शुरूआत है...

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल कैबिनेट बैठक में सुरक्षा बलों की सराहना की थी उन्होंने आगे की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोदी ने कहा है कि यह तो बस शुरुआत है। ऑपरेशन जरूरी था, क्योंकि पूरा देश हमारी ओर देख रहा था। बताते हैं कि मोदी ने मंत्रियों को अनावश्यक राजनीतिक टिप्पणियां करने से बचने का भी सुझाव दिया।

पुंछ में सघन सर्च ऑपरेशन, पीएम से मिलने पहुंचे डोभाल

एलओसी पर पाक की फायरिंग से ध्वस्त घर

अमृतसर में रात में धमाके, सुबह मिले रॉकेट के टुकड़े

अब भारतीय सेना का आज पुंछ में सेना का सघन सर्च ऑपरेशन चल रहा है। सेना को पुंछ के सूरनकोट आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना है। वहीं एयरस्ट्राइक के बाद लगातार दूसरे दिन आज पीएम मोदी और सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के बीच करीब 50 मिनट की चर्चा हुई है। डोभाल ने कल भी मोदी को ऑपरेशन की जानकारी दी थी। उधर, पंजाब के अमृतसर में बीती देर रात लगभग 6 धमाके सुने गए है यह सोनिक बूम बताया गया। यह तब सुनाई देता है, जब फाइटर जेट्स ध्वनि की रफ्तार 1225 किमी प्रति घंटे से तेज हो जाता है। इसके अगले दिन आज अमृतसर के 3 गांवों में कई रॉकेट के कई टुकड़े मिले। पुलिस ने सेना को ये रॉकेट सौंप दिए हैं। जानकारों का कहना है कि यह रॉकेट भारत और पाकिस्तान दोनों सेनाएं इस्तेमाल करती हैं। संभावना है कि पाकिस्तान की तरफ से ये रॉकेट्स फायर किए गए और इंडियन डिफेंस सिस्टम ने इन्हें मार गिराया।

पाकिस्तानी मंत्री की हवाई दावे से किरकिरी

भारतीय वायुसेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान दावा करता रहा है कि उसने भारत के 5 फाइटर जेट मार गिराए। जब इस बात के सबूत पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ से मांगे गए, तो उन्होंने कहा कि उनके पास इसके वीडियो सोशल मीडिया से मिले। इसके बाद एक बार फिर घर में और दुनियाभर में पाकिस्तान की किरकिरी हुई है। इससे पहले भी पाकिस्तान सेना कभी पुराने वीडियो, तो कभी एआई से बने वीडियो दिखाकर अपनी अवाम को खुश करने की कोशिश करती रही।

बलोच का पाक सेना पर हमला, 12 को उड़ाया

पाकिस्तान का समय सच में बहुत खराब चल रहा है। वह दो मोर्चों पर लड़ाई से जूझ रहा है। भारतीय सेना उसको सबक सिखा रही है, तो बलोच लिबरेशन आर्मी नाक में दम किए हुए हैं। इस आर्मी ने रिमोट कंट्रोल के जरिए आईईडी से पाकिस्तान की सेना पर बड़ा हमला किया है। उसने पाकिस्तानी सैनिकों से भरी गाड़ी को बम से उड़ा दिया है, जिसमें 12 सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई। पाकिस्तानी सैनिक बलूचिस्तान के बोलन जिले के मच कुंड इलाके में गश्त कर रहे थे।

पाक के मुजफ्फराबाद में भारतीय हमले के बाद तबाही देखता पाक सैनिक

4 सिस्टम सक्रिय, दो दिन हवा-पानी का दौर

भोपाल। मप्र के ऊपर दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात), एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और एक टर्फ एक्टिव है। इस वजह से पूरे प्रदेश में ओले, बारिश और आंधी का दौर अभी दो दिन और चल सकता है। पश्चिमी हिस्से यानी, इंदौर संभाग के 6 जिलों में आज ओले भी गिर सकते हैं। इनमें खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर और झाबुआ शामिल हैं। वहीं, इंदौर, जबलपुर समेत 22 जिलों में तेज आंधी का अलर्ट है। इनमें श्योपुर, मुरैना, भिंड, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, सिंगरौली में है। अभी आलम यह है कि ताजा दौर में कल इंदौर शहर ने पचमढी को मात दे दी। इंदौर में पारा 28.6 डिग्री पर आ गया वहीं पचमढ़ी में तापमान 29.8 डिग्री रहा।

अंबेडकर प्रतिमा दो बार उठा ले गए अज्ञात

धार। एक अजब घटनाक्रम के तहत बीती रात काफी हंगामा रहा। दरअसल भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अज्ञात लोग उखाड़कर ले गए। इस घटना की सूचना मिलते ही भीम आर्मी और समाज के वरिष्ठ लोग मौके पर पहुंचे। यह घटना पास की दुकान पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने रात में ही मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बताते हैं कि ग्राम पंचायत जेतपुरा में इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर बीती शाम बाबा साहेब की प्रतिमा को अज्ञात लोग चुपचाप उठा ले गए।

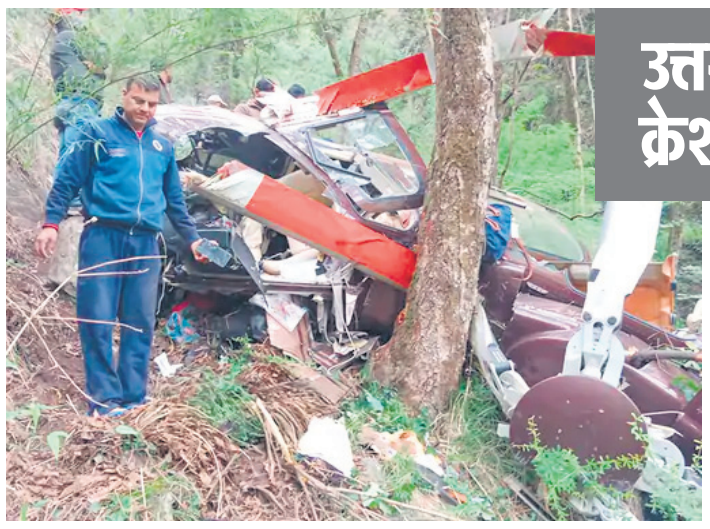

उत्तरकाशी में हेलिकॉप्टर क्रैश, 6 यात्रियों की मौत

देहरादून, दोपहर मेट्रो। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में आज हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया इसमें 7 लोग सवार थे और 6 यात्रियों की मौत हो गई है, 2 गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा उत्तरकाशी के गंगनानी में भागीरथी नदी के पास हुआ है। हेलिकॉप्टर गंगोत्री धाम जा रहा था। प्रशासन ने बताया- हेलिकॉप्टर ने पर्यटकों को लेकर देहरादून के सहस्त्रधारा हेलीपैड से उड़ान भरी थी। इन्हें खरसाली पर लैंड करना था। हेलिकॉप्टर में सवार यात्री मुंबई और आंध्र प्रदेश के बताए जा रहे हैं। इसमें चार मुंबई और दो आंध्र प्रदेश के थे। हेलिकॉप्टर प्राइवेट कंपनी एयरोट्रांस सर्विस का था।

मध्यप्रदेश में एआई पर सरकार का मंथन शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में आज 'एआई भारत मध्यप्रदेश' वर्कशाप शुरू हुई है।इसमें प्रदेश की नीतियों और टेक्नोलॉजी सेक्टर से जुड़े विशेषज्ञों और आईएएस अधिकारियों ने सरकारी सेवाओं में एआई के उपयोग पर चर्चा की जा रही है। इस दौरान बताया गया कि प्रदेश उन कुछ राज्यों में से एक है जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर तेजी से काम हो रहा है। इसके साथ ही आधार में प्री-डॉक्यूमेंट फाइलिंग और फेस डिटेक्शन जैसी तकनीकों को शामिल करने पर भी काम किया जा रहा है। कार्यशाला 9 मई तक चलेगी। इस दौरान में डिजिटल टेक्नोलॉजी, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सुरक्षा और आधार से जुड़ी नवाचार परियोजनाओं पर भी विशेष सत्र रखे गए हैं। कार्यशाला में कई आईएएस अफसर, डीआरडीओ, वैज्ञानिक-एफ समेत कई अधिकारी मुख्य वक्ता मौजूद हैं।

मेट्रो एंकर यूके से ऐतिहासिक एग्रीमेंट के बाद भारत में ऑटो मोबाइल बाजार में शुरू होगा नया युग

रोल्स रॉयस, जगुआर.. अब प्रीमियम कार व बाइक्स के लिए भारत में खुल गए नए रास्ते

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में अब लग्जरी कार और प्रीमियम बाइक्स ज्यादा संख्या में नजर आ सकती हैं क्योंकि जगुआर लैंडरोवर, रोल्स रॉयस और एस्टन मार्टिन जैसी विश्वस्तीय ब्रांड की लग्जरी कारें सस्ती हो जाएंगी। भारत और यूनाइटेड किंगडम ने एक ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करके इन वाहनों के लिये रास्ता खोल दिया है। एग्रीमेंट से न केवल दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे बल्कि हमारे देश के ऑटोमोटिव क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। दोनों देशों के लिए सस्ते आयात के दरवाजे भी खुलेंगे।

हालांकि एग्रीमेंट का सबसे बड़ा असर लग्ज़री और प्रीमियम वाहनों के आयात पर देखने को मिलेगा, जिससे इनकी कीमत में भारी कटौती के आसार हैं। यह लगभग तीन वर्षों से अधिक समय तक चल रहा एक लंबा नेगोशिएशन था जो अब खत्म हुआ है। इस एग्रीमेंट से 2040 तक दोनों देशों के बीच कुल एनुअल ट्रेड में तकरीबन 25.5 बिलियन पाउंड का इजाफा होने का अनुमान है। इस एग्रीमेंट के यूनाइटेड किंगडम से आयात किए जाने वाले प्रोडक्ट्स पर आयात कर को कम करने का फैसला किया गया है, जिसका सीधा असर वाहनों की मौजूदा उंची कीमत पर भी देखने को मिलेगा। इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से इंडियन एक्सपोर्ट को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि ये समझौता दोनों देशों के बीच आयात और निर्यात होने वाले प्रोडक्ट्स पर लागू होगा। एग्रीमेंट के तहत यूनाइटेड किंगडम भारत से एक्सपोर्ट होने वाले तकरीबन 99 प्रतिशत सामानों पर लगने वाला भारी टैरिफ हटा देगा। हालांकि इस समझौते के तहत कपड़ा, मरीन फूड (समुद्री खाद्य), ऑटो कंपोनेंट और चमड़ा उत्पाद जैसे कई प्रोडक्ट शामिल हैं। लेकिन इसका एक बड़ा लाभ देश के ऑटो सेक्टर को भी मिलेगा। यूके भारत से एक्सपोर्ट होने वाले गुड्स पर टैरिफ को कम करेगा वहीं भारत भी यूनाइटेड किंगडम से आयात होने वाले सामानों पर लगने वाले ड्यूटी में कटौती करेगा।

90 फीसद टैक्स कम हुआ !

इस ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत भारत, यूनाइटेड किंगडम से आयात किए जाने वाले लग्ज़री और हाई-एंड कारों पर लगने वाले मौजूदा टैरिफ को 100 फीसदी से घटाकर केवल 10 फीसदी कर देगा। इस एग्रीमेंट से जगुआर लैंडरोवर, एस्टन मार्टिन, बेंटले और रोल्स रॉयस जैसे वाहन निर्माताओं की कारें सस्ती होंगी। ये सभी कार निर्माता कंपनियां ब्रिटेन में वाहनों का निर्माण करती हैं और भारत में अपनी कारों को आयात करती हैं। ऐसे में हाई इंपोर्ट ड्यूटी चलते आम ग्राहकों तक पहुंचते-पहुंचते इन कारों की कीमत काफी उंची हो जाती है। टैरिफ में कटौती से इन कार कंपनियों के पोर्टफोलियो में कीमतों में कटौती का लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने मॉडल टैरिफ-मुक्त होंगे, और किन मॉडलों को हाई-एंड कारों श्रेणी में रखा जाएगा.

मप्र मानव अधिकार आयोग ने मामले में संज्ञान लेकर दिए जांच के निर्देश

अस्पतालों-घरों में बारिश का पानी भरा कलेक्टर-नगर निगमायुक्त से जवाब तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के हमीदिया रोड पर बन रही सड़क पर से अस्पतालों-घरों में बारिश का पानी भरने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि सड़क की दोनों ओर नाली का लेवल सड़क से ऊपर किये जाने से बारिश के समय सड़क का पानी घरों-अस्पतालों में भर जाता है, जिसके चलते लोगों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ् ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है।

अंतिम संस्कार करने घर से ले जाना पड़ता हैं पानी

भोपाल शहर के भेल क्षेत्र के बरखेड़ा पठानी में बने मुक्तिधाम में परिजनों को मृतकों का क्रियाकम करने घर से पानी लेकर आने का मामला सामने आया है। नगर निगम द्वारा संचालित इस मुक्तिधाम में ना तो पानी है और ना ही बिजली है। मुक्तिधाम में पानी/बिजली जैसी समस्या हमेशा बनी रहती है, इस कारण मृतकों के परिजनों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

छठवें वेतनमान की वेतनवृद्धि के आदेश अटकने पर अवमानना नोटिस

दो पीएस को चार सप्ताह का वक्त दिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वेतनवृद्धि को लेकर विगत वर्ष अक्टूबर में दायर याचिका में उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पेंशनरों के पक्ष में पारित आदेश का चार सप्ताह में पालन नहीं करने के मामले में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत अवमानना प्रकरण में न्यायमूर्ति अचल कुमार पालीवाल ने वित्त विभाग के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, साप्रवि के पीएस संजय दुबे, को अवमानना नोटिस जारी कर चार सप्ताह का समय दिया है। याचिका कर्ता एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि वेतनमान की वेतन विसंगति के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार पांचवें वेतनमान में जिन शासकीय सेवकों की फरवरी माह से जून माह के बीच वेतन वृद्धि होती थी, उन्हें 1 जनवरी 2006 को एक वेतन वृद्धि देते हुए छठवें वेतनमान में वेतन पुनरीक्षित किया जाना था। एसोसिएशन संरक्षक गणेशदत्त जोशी ने शासन पर पेंशनरों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि विषयांतर्गत उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन को संज्ञान में लेते हुए ही वर्ष 2012 में शासन ने वेतन वृद्धि देने का अनुमोदन तो किया किंतु वित्त विभाग की उदासीनता के चलते आदेश नहीं हुए, इसी को लेकर एसोसिएशन ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी ।

मॉकड्रिल में क्रेडाई की भागीदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर में आयोजित आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल में क्रेडाई ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। मॉक ड्रिल के विभिन्न स्थलों पर चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशनों को ऑनलाइन लाइव देखा गया, और संगठन के कार्यालयों व परियोजना स्थलों पर कार्यरत टीमों ने ब्लैकआउट अभ्यास में पूर्ण अनुशासन के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर राष्ट्रीय क्रेडाई अध्यक्ष शेखर पटेल द्वारा दिए गए राष्ट्र सेवा के संकल्प और त्वरित निर्माण हेतु प्रस्तावित योजना का क्रेडाई भोपाल ने पूर्ण समर्थन किया है। हम इस राष्ट्रीय पहल में सहभागी बनते हुए यह आश्वस्त करते हैं कि आपातकालीन अवस्थाओं में देश की सहायता हेतु कमाल का भोपाल अपनी विशेषज्ञता, संसाधनों व कौशल बल के साथ तैयार हैं। भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष मनोज मीक ने कहा कि हमें गर्व है कि क्रेडाई जैसे संगठन सिर्फ निर्माण में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और संकट काल में सेवा के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं।

माशिमं: दसवीं और बारहवीं की द्वितीय परीक्षा 17 जून को होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

- मंडल ने जारी किये दिशा-निर्देश, आवेदन हुए शुरू

सत्र 2024-25 की हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 7 मई से फार्म भरे जाना शुरू हो गये है। फार्म 21 मई 2025 तक रात्रि 12 बजे तक भरे जा सकेंगे। हाई स्कूल द्वितीय परीक्षा 17 जून से 26 जून 2025 तक और हाई सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई 2025 तक सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम मण्डल की वेब साइट पर देखी जा सकती है।

संतनगर का युवक थाईलैंड से चला एक माह में भी नहीं पहुंचा

लापता से परिजनों का नहीं हो रहा संपर्क, विधायक को सौंपा पत्र

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर का एक युवक बैंकॉक थाईलैंड से एक माह में भी स्वदेश नहीं पहुंचा है। उससे संपर्क न होने से परेशान परिजनों ने पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी व पदाधिकारियों के साथ विधायक रामेश्वर शर्मा को पत्र सौंपकर विदेश मंत्रालय से मदद करने का आग्रह किया है। साथ ही एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच करवाए जाने की बात भी कही है। बता दे ललित हरचंदानी, निवासी संतनगर 7 अप्रैल, 2025 को बैंकॉक, थाईलैंड से आने वाले थे, लेकिन वे अभी तक नहीं पहुंचे हैं। ललित थाईलैंड में का करते थे। तीन साल के लिए काम करने के लिए गए थे। समय पूरा होने के बाद लौट रहे थे। उनकी परिजन नीलम हरचंदानी ने विधायक से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि ललित का पासपोर्ट संख्या 7757205 है। ललित को सात अप्रैल 2025 को लौटना था। लेकिन एक माह बता सात मई 2025 तक नहीं पहुंचे हैं। हरचंदानी ने इस मामले में विधायक रामेश्वर से मुलाकात कर मार्गदर्शन का अनुरोध किया है। उन्होंने ललित को सुरक्षित रूप से घर वापस लाने में मदद करने की उम्मीद जताई है। साथ ही हरचंदानी ने अपनी पहचान प्रमाण की एक प्रति भी संलग्न की है और अधिकारियों को जांच के लिए कोई अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रदान करने की पेशकश की है। इस दौरान पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी के अलावा महासचिव नंद दादलानी, उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी, किशोर साधवानी, हरचंदानी परिवार से माता सोनी हरचंदानी पत्नी नीलम हरचंदानी पुत्र मानस हरचंदानी आदि उपस्थित थे।

भोपाल। शाम 7.30 बजे सायरन बजते ही शहर के कई हिस्सों में ब्लैकआउट हो गया। लोगों ने घर-दफ्तरों की लाइट बंद कर दी। अधिकांश रहवासी इलाकों में अंधेरा नजर आया। हालांकि सड़कों और कुछ हिस्सों में रोशनी रही।

संस्कार विद्यालय ने अव्वल छात्रों को सम्मानित किया

हिरदाराम नगर. संस्कार विद्यालय ने बुधवार को एमपी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया, विशेष समारोह में कर्नल नारायण पारवानी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, आप इस विद्यालय के चमकते सितारे हैं, और आपको इस सफलता पर रुकना नहीं है, बल्कि आगे बढ़ते रहना है। संस्था के सचिव, बसंत चेलानी ने अभिभावकों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों के सामूहिक प्रयास से ही विद्यालय का परीक्षा परिणाम इतना उत्कृष्ट रहा है। हम लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि हमारा विद्यालय और हमारे छात्र हर साल प्रगति करें। संस्था के अध्यक्ष, सुशील वासवानी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, ÷यह सफलता केवल विद्यालय की नहीं है, बल्कि इसमें अभिभावकों का भी सहयोग शामिल है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक उन्नति करें। संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए बधाई दी।

भविष्य में भी मेहनत का सिलसिला जारी रखते हुए अपने लक्ष्य को करें हासिल : उदय प्रताप

स्कूल शिक्षा मंत्री ने बोर्ड परीक्षा की टॉपर छात्राओं से की बात

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को वीडियो कॉल से माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10 और 12वीं की टॉपर छात्राओं से बात कर उन्हें बधाई दी। मंत्री सिंह ने कहा कि हायर सेकेंडरी बोर्ड की परीक्षा में शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा प्रियल द्विवेदी ने 500 में से 492 अंक प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। शिक्षा मंत्री ने प्रियल से उनकी परीक्षा में की गई तैयारियों के बारे में जानकारी ली। मंत्री सिंह ने वीडियो कॉल से कक्षा 10 हाई स्कूल परीक्षा की टॉपर सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल से भी बात की। उन्होंने कहा कि 500 अंक में से 500 अंक प्राप्त कर प्रज्ञा ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से देशभर के बच्चों को प्रोत्साहन मिला है। मंत्री सिंह ने छात्रा प्रज्ञा से उनके भविष्य की योजना में बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मंत्री सिंह ने कहा कि इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा में छात्राओं का परीक्षा फल काफी बेहतर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से भी दोनों छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दोनों ही छात्राओं ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने शिक्षकों और माता-पिता को दिया है।

मेट्रो एंकर

'ऑपरेशन सिंदूर' - भारतीय वायु सेना का आभार जताया

'अभी नहीं तो कभी नहीं.. पूरा हुआ'

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

'अभी नहीं तो कभी नहीं' पहलगाम में आतंकियों द्वारा 28 भारतीय पर्यटकों की मौत से गुस्साए लालघाटी यंग क्लब के सदस्यों ने कुछ दिन पहले पाकिस्तान और आतंकवाद के ख़िलाफ़ प्रतीकात्मक अनूठा प्रदर्शन कर आतंकवादियों पर हमले का अनुरोध किया था। अब जब इण्डियन एयरफ़ोर्स ने द्वारा पाकिस्तान में आंतकी ठिकानों मुज्जफराबाद, कोटली, भिम्बर, सियालकोट, मुदिरके और मरकज सुबहान अल्लाह में कार्रवाई की है। यंग क्लब के सदस्यों ने ऑपरेशन सिंदूर पर खुशी का इजहार किया है। पाकिस्तानी आर्मी चीफ और पाकिस्तान फ्लैग, पीओके के तबाह क्षेत्र, आतंकवादी छपा केक काटकर जश्न मनाया एवं फ़ौजी भाइयों को सम्मानित भी किया। सेना का आभार मानते हुए आनंद सबधाणी ने कहा कि आज का जश्न हमारे फ़ौजी भाइयों को समर्पित है, आतंकियों के आकाओं को हम यहाँ से पैग़ाम देना चाहते हैं, कि ज़रूरत पड़ी तो देश का एक-एक युवा हाथों में हथियार लेकर पाकिस्तान की ओर कूच करने में देरी नहीं करेगा ऑपरेशन सिंदूर के जश्न में आनंद सबधाणी, पवन मिश्रा, तेजपाल सोड़ी, विवेक अवस्थी, रवि आनंद, राजेंद्र कुमार, दीपिका वाधवानी सहित कई राष्ट्रभक्त मौजूद थे।

जो मोदीजी ने कहा, फौज ने कर दिखाया: कुकरेजा

'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जश्न मनाया

बहनों ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मनाया जश्न

हिरदाराम नगर. सिंदूरी साड़ियों में महिलाओं ने 21 किलो सिंदूर से खेल कर 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद', 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे ऑपरेशन सिंदूर का जश्न मनाया। मिसाइल स्ट्राइक 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भोपाल में काली मंदिर शाहजहांनाबाद में मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा के नेतृत्व में महिलाओं ने खुशी का इजहार किया। भारत माता की जय के नारों के बीच भारतीय सेना के जज्बे को सलाम किया गया। ऑपरेशन सिंदूर कि सफलता पर पुजारी पंडित विजय वाजपेई ने मिठाइयां बांटीं। नागरिकों और व्यापारियों ने हाथों में पोस्टर लेकर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। कुकरेजा ने कहा, मोदीजी ने जो कहा था, वह भारतीय फौज कर दिखाया है। भारत ने आतंकवाद की रीढ़ पर प्रहार किया है। देश जो चाहता था वह पाकिस्तान की जमीन पर किया गया है। पूरी दुनिया ने भारत की कार्रवाई का समर्थन किया है। पाकिस्तान को समझ आ गया होगा कि आतंकवादियों को पालेंगे तो इस तरह का ही जवाब मिलेगा। इस अवसर पर भगवान दास ढालिया,आदर्श चावरिया, कोमल चावरिया, दीपा चावरिया, रंजना चौहान जी उपस्थित थी।

सड़क विकास निगम ने तैयार की व्यापक योजना

साल के अंत तक बनेंगी 1425 किमी सड़कें, 3134 करोड़ होंगे खर्च

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश में पहले से सड़कों का जाल है। अब 1425 किलोमीटर लंबी सड़कें और बनाई जा रही है। यह काम इस साल के अंत तक पूरा होगा। इनके निर्माण मप्र सड़क विकास निगम करवा रह है, जिन पर 3134 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। ये नई सड़कें होंगी, जिनके निर्माण से लोगों को सहूलियतें होंगी।

मप्र सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव ने यह जानकारी बुधवार को हुई 46वीं संचालक मंडल की बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव व अन्य को दी। यह भी बताया कि निगम द्वारा चिन्हित मार्गों के पुनर्निर्माण, संधारण, डामरीकृत नवीनीकरण, सुदृढ़ीकरण, रेगुलर कॉन्ट्रैक्ट एवं उपभोक्ता शुल्क संग्रहण के लिए निविदा बुलाई है। निविदा समिति के अनुमोदन के बाद 35 प्रकार के सड़क निर्माण कार्यों के लिए 3443.72 करोड रुपए की निविदाएं स्वीकृत भी कर दी है। न्यूनतम दर वाले निविदाकारों को निविदा स्वीकृति पत्र जारी किए हैं। भोपाल-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 46 में नवीन प्रस्तावित एकरेखण (एलाईनमेंट) की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। इससे भोपाल-जबलपुर मार्ग की दूरी कम होगी।

सीएम की दो टूक- टिकाऊ हो सड़कें, समय पर बने

सीएम ने कहा है कि राज्य में सड़कों का निर्माण पूर्ण गुणवत्ता के साथ किया जाए और उसमें दीर्घकालिक जरूरतों को विशेष रूप से ध्यान में रखा जाएं। सड़कें प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ हैं। उनका निर्माण टिकाऊ, सुरक्षित और आधुनिक मानकों के अनुरूप हो। समय सीमा के अंदर काम हो। बैठक में निगम के प्रबंध संचालक ने बताया कि निगम ने बीते 2024-25 में कुल 1586 करोड रुपए की लागत से 1127 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण कराया। इसी दौरान सड़क विकास के पूंजीगत कार्यों पर 2761.47 करोड रुपए एवं संधारण व मरम्मत कार्यों पर 280.79 करोड रुपए, इस प्रकार 3042.29 करोड रुपए खर्च किए।

सीएम ने 12 जिलों में 502 करोड़ के कामों की स्वीकृति दी

खदानों से मिले राजस्व से छोटे कामों पर रोक, अब सिर्फ बड़े काम ही होंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश को खनिज की खदानों से मिलने वाले राजस्व से सिर्फ बड़े और स्थाई काम होंगे। छोटे या मरम्मत से जुड़े कोई भी काम नहीं किए जाएंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस पर रोक लगा दी है। उनके संज्ञान में आया था कि जिन कामों को विभागीय बजट से किया जा सकता है, उन कामों पर भी खनिज राजस्व मद से प्राप्त राशि का उपयोग किया जा रहा है, जिस पर उन्होंने बुधवार को हुई समीक्षा बैठक में आपत्ति ली और कहा कि आगे ऐसा न करें।

उल्लेखनीय है कि जिला स्तर पर एक फण्ड होता है, इसमें खनिज खदानों से मिलने वाले राजस्व का कुछ हिस्सा जमा किया जाता है। इस मद का उपयोग उन्हीं क्षेत्रों में करना होता है, जिन क्षेत्रों में खनिज खदानों की अनुमति दी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि खनिज के खनन, उसके परिवहन से आसपास का क्षेत्र काफी हद तक प्रभावित होता है। सीएम के संज्ञान में आया कि कुछ जिलों में उक्त मद की राशि का उपयोग छोटे-छोटे कामों मेंहो रहा है, जिस पर उन्होंने अफसरों से सवाल किए और कहा कि आगे से उक्त मद की राशि का उपयोग स्थाई व ठोस कामों में ही हो।

इन जिलों में होंगे काम

खनन प्रभावित डिण्डौरी, शहडोल, अनूपपुर, बड़वानी, दमोह, छिंदवाड़ा, सिवनी, आलीराजपुर, शिवपुरी, सागर, रीवा, बैतूल में विभिन्न श्रेणी के विकास कार्यों के लिए 502 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति दी। डिंडौरी मेंआयुर्वेदिक महाविद्यालय, शहडोल जिले की सोन नदी पर बैराज एनिकट, अनूपपुर कोतमा अस्पताल में 100 बिस्तरीय अधोसंरचना के निर्माण प्रमुख है। बड़वानी में भीलटदेव मंदिर नागलवाड़ी के तलहटी से मंदिर तक पहुंच मार्ग का निर्माण भी किया जाएगा। इसके अलावा कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की बसाहट क्षेत्रों में किए जाने वाले स्थाई श्रेणी के निर्माण कार्यों पर भी उक्त राशि खर्च की जा सकेगी।

बैठक में दी गई यह जानकारी

प्रमुख सचिव खनिज साधन उमराव ने बैठक में बताया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि (भाग-ख) में वर्तमान में 1681 करोड़ रुपए उपलब्ध हैं। इस राशि से छोटे बड़े सभी श्रेणी के काम कराए जा सकते हैं। इस राशि से उच्च प्राथमिकता क्षेत्र (60 प्रतिशत) के तहत 1008.6 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि शासन द्वारा खर्च की जा सकती है। उच्च प्राथमिकता क्षेत्र में शिक्षा, पेयजल प्रदाय, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण उपाय, स्वास्थ्य की देखभाल, स्वच्छता सुधार, कौशल विकास, वृद्धजन एवं निःशक्तजन कल्याण तथा महिला एवं बाल कल्याण संबंधी कार्य विशेष रूप से चिन्हित किए गए हैं। अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र (40 प्रतिशत) में सिंचाई सुविधा, भौतिक अवसंरचना तथा ऊर्जा एवं वॉटरशेड विकास जैसे काम कराए जाते हैं।

नीति आयोग की 'आकांक्षी-ब्लॉक' योजना

खरगोन के झिरन्या में 63 तालाब होंगे पुनर्जीवित

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन से 30 मार्च को किया था, जो 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की नदियों, तालाबों, झीलों, पुराने कुओं, बावड़ियों और जलधाराओं को सहेज कर उन्हें पुनर्जीवन देना है। नदियों, नालों, तालाबों, कुओं और बावड़ियों एवं अन्य जल स्रोतों की गाद निकासी, सफाई, सीमांकन और पुनर्जीवन की कार्य योजना बनाई गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को केन्द्रीय नीति आयोग की जल संरक्षण और सतत कृषि को बढ़ावा देने की पहल 'आकांक्षी -ब्लॉक' योजना से बड़ा लाभ मिला है। खरगोन जिले के झिरन्या को देश के 25 चिन्हित आकांक्षी ब्लॉक्स में शामिल किया गया है। झिरन्या में जल निकायों को पुनर्जीवित किया जाएगा। झिरन्या ब्लॉक के 63 तालाबों को चिन्हित कर मानसून से पहले उनका गहरीकरण और गाद निकासी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे वर्षा जल का अधिकतम संचयन संभव हो सकेगा और जल संकट से राहत मिलेगी। तालाबों से निकलने वाली उपजाऊ गाद किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

आप पानी बचाओ, पानी आपको बचाएगा

आप पानी बचाओ, पानी आपको बचाएगा। सरकार और समाज दोनों मिलकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जल संरक्षण के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचा सकते हैं। शहडोल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले की समस्त जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में नागरिक श्रमदान कर रहे हैं। शहडोल को घरौला मोहल्ला स्थित तालाब की सफाई और गहरी करण में स्व-सहायता समूह की जल मित्रों ने श्रमदान किया।

छतरपुर के पहाड़ गांव में बावड़ी में हुई सफाई

छतरपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों के जीर्णोद्धार एवं साफ सफाई की श्रृखला में जन अभियान परिषद की सहायता से पहाड़ गांव में ललई की बेर हनुमान जी के मंदिर प्रांगण में बनी बावड़ी की साफ-सफाई की गई। परिषद ने मंदिर प्रांगण में ही जन जागरूकता के लिए स्थानीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्रामीणों को जल गंगा संवर्धन अभियान के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

पोर्टल से जलआपूर्ति, मात्रा और गुणवत्ता मापदंडों का किया जाएगा नियमित मूल्यांकन

'जल दर्पण पोर्टल' एवं शिकायत निवारण कॉल-सेंटर की शुरूआत

दोहपर मेट्रो, भोपाल

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने जल दर्पण पोर्टल तथा फीडबैक एवं शिकायत निवारण प्रणाली कॉल-सेंटर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश में पेयजल योजनाओं की निगरानी और हितग्राहियों की समस्याओं के समाधान की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। उइके ने कहा कि यह पोर्टल और कॉल-सेंटर हितग्राहियों को अपनी समस्याएं सीधे विभाग तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेंगे। इससे न केवल शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा, बल्कि योजनाओं की जमीनी हकीकत से भी विभाग अवगत होगा। इससे कार्यों में पारदर्शिता आयेगी, जबावदेही और सेवा गुणवत्ता में वृद्धि होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विकसित यह पोर्टल जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल-जल योजनाओं की कव्हरेज और कार्यशीलता की वास्तविक समय में निगरानी करने, हितग्राहियों से प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त करने, सेवा वितरण की गुणवत्ता मापने, समस्याओं की पहचान करने और तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

राज्य स्तर पर स्थापित कॉल-सेंटर नल से जल आपूर्ति की नियमितता, मात्रा और गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण सेवा मापदंडों का मूल्यांकन करेगा। यह सिस्टम अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए ग्रामीण जल संरचना को मजबूत करेगा और नागरिक संतुष्टि को प्राथमिकता देगा। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जहाँ जल जीवन मिशन की पूर्ण योजनाओं की गतिविधियों का स्वतः फीडबैक लेने की व्यवस्था लागू की गई है।

अंतर्राज्यीय ट्रांसमिशन लाइन में टॉवरों का मॉडिफिकेशन और शिफ्टिंग कार्य पूर्ण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है कि वर्ष 2021 में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित श्योपुर जिले के सीप नदी क्षेत्र में अंतर्राज्यीय 132 केवी श्योपुर-सबलगढ़ टेप-खंदार (राजस्थान) डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन में टॉवरों के संशोधन एवं स्थानांतरण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह कार्य विद्युत पारेषण व्यवस्था को बाढ़ जैसी आपदाओं में भी सुदृढ़ और सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया। इसके तहत पुराने टॉवरों के फाउंडेशन को विशेष आधुनिक तकनीक से पुनर्निर्मित किया गया तथा कुछ टॉवरों को नदी के समीप सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर नये टॉवर लगाये हैं।

इस कार्य में 79 लाख रुपये की लागत आई है। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा बनाए गए छह नए टॉवर विशेष डिज़ाइन के फाउंडेशन पर आधारित हैं, जो भविष्य में बाढ़ जैसी आपदाओं का प्रभाव सहन करने में सक्षम होंगे। तोमर ने कहा कि यह परियोजना न केवल राज्य की विद्युत प्रणाली को सशक्त बनाएगी, बल्कि आपदा प्रबंधन और आधारभूत ढांचे की मजबूती का भी प्रमाण है। उन्होंने एमपी ट्रांसको के प्रयासों की सराहना की।

वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल का आवंटन निरस्त

भोपाल। वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल एजेंसी द्वारा लोक परिसम्पत्ति विभाग को सौंपे गये थे। लोक परिसम्पत्ति विभाग द्वारा वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल संस्थाओं को आवंटित किये गये थे, उनका आवंटन निरस्त कर ई-ब्लॉक का सम्पूर्ण तल वन विभाग को आवंटित करने के आदेश राज्य शासन द्वारा जारी कर दिये गये हैं।

मेट्रो एंकर

मप्र में कुपोषण को जड़ से खत्म करने किए जा रहे उपाय

आंगनवाड़ियों के बच्चों को मिलेगा खाने में मोटा अनाज, दूध

दोहपर मेट्रो, भोपाल

भोपाल। प्रदेश की आंगनवाड़ियों में बच्चों को खाने में मोटे अनाज से तैयार भोजन परोसा जाएगा। सांची दूध और उससे बने उत्पाद दिए जाएंगे। अभी बाहर से अनाज पकाकर दिया जा रहा है, आने वाले समय में आंगनवाड़ी केंद्रों पर ही भोजन पकाया जाएगा। यह सब कुपोषण को खत्म करने के लिए किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग अगले एक महीने में इसका प्लान सीएम को देगा। इसके अलावा अभी कुपोषण से अकेले महिला एवं बाल विकास विभाग लड़ाई लड़ रहा है। उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग मदद करता है। अब आयुष विभाग भी इस काम में महिला एवं बाल विकास विभाग का सहयोग करेगा। आंगनवाड़ियों में पंजीकृत बच्चों में कुपोषण की पहचान, उन्हें स्वस्थ्य करने व उपचार करने में मदद जैसे कामों में आयुष विभाग मदद करेगा।

स्वयं के भवनों में खुलेंगे आंगनवाड़ी केंद्र

आंगनवाड़ी केंद्र स्वयं के भवनों में संचालित करने होंगे। अभी कुछ जिलों में स्वयं के भवन नहीं है, जहां है वहां कई की हालत जर्जर हो चुकी है। बारिश में छतें लीकेज होती हैं, फर्श गीला हो जाता है। सीएम ने कहा कि जहां भी भवन न हो, वहां स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास और जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों के उपलब्ध भवनों का उपयोग करें। जिला स्तर पर पंचायत राज संस्थाओं, नगरीय निकायों के सहयोग तथा सांसद-विधायक निधि, डीएमएफ एवं अन्य संसाधनों से प्राथमिकता के आधार पर आंगनवाड़ियों के लिए भवनों का निर्माण कराएं।

महिलाओं के लिए हॉस्टल व प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी

कामकाजी महिलाओं को जल्द हॉस्टल सुविधा मिलेगी। सभी शहरों में होंगे, इनमें महिला सुरक्षा के लिए पूरे इंतजाम किए जाएंगे। दूसरे चरण में इनका विस्तार जिला मुख्यालयों से लेकर विकासखंडों तक होगा। स्वरोजगार स्थापित करने वाली महिलाओं व युवतियों को उनकी मांग पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये अलग-अलग श्रेणी के कामों के आधार पर होंगे। इसके लिए नजदीक के कार्यालयों में संपर्क करने होंगे। साथ ही स्वरोजगार मूलक युवाओं के लिए आवेदन करना होंगे। मुख्य काम महिला एवं बाल विकास विभाग का होगा।

संपादकीय

ऑपरेशन सिंदूरः दुश्मन की तोड़ी रीढ़

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान के अंदर घुसकर भारतीय सेना की कार्रवाई पिछले सभी स्ट्राइक से अलग नजर आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, पहलगाम हमला भारत की आत्मा पर हमला है और हम इसका माकूल जवाब देंगे, यह कार्रवाई उसी तरह की है। बहादुर भारतीय सैनिकों ने एक ही साथ नौ स्थानों पर 21 आतंकी ठिकानों को तबाह कर डाला है। इससे पूरा देश संतुष्ट है, उत्साह में है, यूं कहें कि राष्ट्र गौरव से भर उठा है। इस अवसर पर किसी भी भारतीय नागरिक की यह पहली प्रतिक्रिया हो सकती है। सवाल इसके बाद की स्थितियों पर है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के वक्तव्य को देखा जाना चाहिए, जिसमें वे कहते हैं कि ऐसा कर हमने अपने अधिकार का प्रयोग किया है। वे 25 अप्रैल के संयुक्त राष्ट्र संघ के उस संकल्प को याद करते हैं कि दुनिया से आतंकवाद की समाप्ति के लिए एकजुट और संकल्पबद्ध कार्रवाई की जरूरत है। इससे भी आगे मिसरी ने जो जानकारी दी, वह है कि हमारे देश के अंदर पहलगाम की तरह एक और आतंकी हमला होने वाला था। ऐसा हम अपने उच्चस्तरीय खुफिया सूत्रों के हवाले से कह रहे हैं। ऐसे हमले रोकने के लिए ये कार्रवाई अत्यंत आवश्यक थी। यानी दुश्मन हमला करे, उसके पहले ही उसकी रीढ़ तोड़ दी जाय।

6-7 मई की रात की कार्रवाई के बाद के सवाल का जिक्र करते समय हमें पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पर नजर डालनी चाहिए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अपनी हिफाजत कर सकता है लेकिन भारत रुक जाता है तो हम भी रुक जाएंगे। इससे तो लगता है कि भारत अपनी कार्रवाई को समाप्त घोषित कर दे, तो पाकिस्तान चुप बैठ जायेगा। इसके विपरीत, अन्य बयानों से ऐसा नहीं लगता। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईपीआर) के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बताया कि भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बयान के एक और हिस्से को देखा जाय तो वह भविष्य का संकेत करता है। भारत की ओर से जहां कहा गया कि हमले सिर्फ आतंकी ठिकानों पर ही हुए, वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का कहना है कि भारत ने अपनी हवाई सीमा से पाकिस्तान पर मिसाइल हमले किए। मिसाइलें नागरिक इलाकों पर गिरीं।

पाकिस्तान जहां एक तऱफ भारत के रुक जाने पर स्वयं के भी रुकने की बात करता हं, वहीं अपने कथित नागरिक ठिकानों पर हमले की जानकारी से वह दुनिया की सहानुभूति बटोरना चाहता है। हालांकि अभी कई देशों ने यह उम्मीद जताई है कि भारत की इस कार्रवाई के बाद स्थिति सामान्य रहेगी। ऐसे देशों में चीन भी शामिल है, जो भारत-पाकिस्तान, दोनों को अपना पड़ोसी बताकर संयम बरतने की उम्मीद करता है। फिलहाल भारत ने इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम देकर और इसकी जानकारी सेना की दो वरिष्ठ महिला अधिकारियों से दिलाकर एक संदेश दिया है। संदेश साफ है कि पहलगाम में मां, बेटी, बहनों को जो आघात पहुंचा भारत ने उसे अपनी आत्मा पर आघात समझा। अब पाकिस्तान को समझना होगा कि यदि वह और आघात पहुंचाने की सोच रहा है तो और गंभीर खामियाजा भी वही भुगतेगा। बावजूद सर्वोत्तम यही होगा कि भारत अब कई दिनों तक पाकिस्तान पर और उसकी हर प्रतिक्रिया पर कड़ी नजर रखे। निश्चित ही सरकार व सेना ऐसा कर ही रही होगी।

जीवन में हार-जीत लगी रहती है, लेकिन सफलता सिर्फ उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी गलतियों और हार से सीख लेकर आगे बढ़ता है।
- श्रीमद्भगवत गीता

आज का इतिहास

- 1886- अमेरिकी फार्मासिस्ट जान.एस.पैंबरटन ने कोकाकोला का विकास किया, उस समय इसे एक टॉनिक बताया गया।
- 1945 - मित्र राष्ट्रों की सेनाओं के समक्ष जर्मनी का आत्मसमर्पण।
- 1970 - ब्रिटिश रॉक बैंड द बीटल्स के सदस्यों ने औपचारिक रूप से अलग होने के एक महीने बाद अपना आखरी स्टूडियो अलबम लैट इट बी जारी किया।
- 1999 - बेलग्राद स्थित चीनी दूतावास पर नाटो द्वारा प्रक्षेपास्त्रों से हमला।
- 2000 - भारतीय मूल के 69 वर्षीय लॉर्ड स्वराजपाल ब्रिटेन के चौथे सबसे बड़े विश्वविद्यालय ब्रिटिश यूनिवर्सिटी के कुलपति नियुक्त।
- 12001 - अमेरिका अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य नियंत्रण बोर्ड से भी बाहर।
- 2002 - पाकिस्तान दौरा रद्द कर न्यूजीलैंड की टीम स्वदेश लौटी।
- 2004 - श्रीलंका के मुरलीधरन ने 521 विकेट लेकर सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने का रिकार्ड बनाया।
- 2006 - संयुक्त राज्य अमेरिका पाकिस्तान को आधुनिकतम पारम्परिक शस्त्र प्रणाली देने पर सहमत।
- 2010 - छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा के टाड़मेटला हमले के एक माह बाद नक्सलियों ने बीजापुर-भोपालपट्टनम राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर सीआरपीएफ के बख्तरबंद वाहन को बारूदी सुरंग विस्फोट कर उड़ा दिया। इस घटना में आठ जवान शहीद हो गए। विस्फोट में वहाँ से गुज़र रहे दो नागरिक भी घायल हो गए।
- 1932 - सत्यब्रत मुखर्जी- पद्मभूषण से सम्मानित भारतीय राजनीतिज्ञ और लोकसेवी थे का जन्म।
- 1916 - स्वामी चिन्मयानंद- भारत के प्रसिद्ध आध्यात्मिक चिंतक तथा वेदान्त दर्शन के विश्व प्रसिद्ध विद्वान का जन्म।

निशाना

नाम था सिंदूर !

-कृष्णेन्द्र राय

घुस कर कार्रवाई ।
किया बड़ा है काम ।।
हिला पाकिस्तान ।
मिला बड़ा पैगाम ।।
सफल ऑपरेशन ।
नाम था सिंदूर ।।
धुंआ धुंआ पाकिस्तान ।
सेवा है भरपूर ।।
हुआ बदला पूरा ।
अड्डे किए तबाह ।।
सामने जो मंजर ।
हैं उसके गवाह ।।
है अभी शुरुआत ये ।
करना बहुत बाकी ।।
रोना धोना चालू है ।
ना लगी चालाकी ।।

सिन्धु जल समझौता : बांध और बंदूक के बीच भारत की रणनीति

■ जयसिंह रावत

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने 23 अप्रैल को सिंधु जल समझौते (1960) को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की घोषणा की। यह कदम पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के जवाब में उठाया गया। इस फैसले ने न केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव बढ़ाया, बल्कि मीडिया में तरह-तरह की अटकलों और भ्रामक दावों को भी जन्म दिया।कुछ खबरों में दावा किया गया कि भारत ने सिंधु नदी प्रणाली का पानी पूरी तरह रोक दिया है, जिससे पाकिस्तान में सूखा पड़ गया है। जबकि अब तक यह भारत का दबाव ही है। वास्तविकता इन दावों से कहीं अधिक जटिल है।फिलहाल भारत ने चिनाब नदी पर बने बांध से पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोक दी, यह कदम पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के बाद उठाया गया। भारत का पानी पर नियंत्रण अवश्य है, मगर पूरी तरह पानी रोकना बहुत दूर की कौड़ी है। भारत ने डेटा साझा करना बंद कर दिया है और पाकिस्तानी निरीक्षकों की परियोजना स्थलों पर यात्राओं को रोका है, लेकिन पानी का प्रवाह पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान को सद्बुद्धि आ जाए तो पानी रोकने की नौबत ही नहीं आएगी। यह गौर करने वाली बात है कि भारत ने सिंधु जल समझौते को रद्द नहीं, बल्कि स्थगित (सस्पेंड) किया है। इसका मतलब है कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद को रोकने की ठोस गारंटी या भरोसा देता है, तो समझौता पुनः लागू हो सकता है। 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुए इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों को दो हिस्सों में बांटा गया-पूर्वी नदियां (सतलुज, ब्यास, रावी) भारत के नियंत्रण में, और पश्चिमी नदियां (सिंधु, झेलम, चिनाब) मुख्य रूप से पाकिस्तान के लिए।

समझौता निलंबित होने से भारत अब जल डेटा साझा करने, नई परियोजनाओं की जानकारी देने, या पाकिस्तानी अधिकारियों को निरीक्षण की अनुमति देने जैसे दायित्वों से मुक्त है। यह भारत को पश्चिमी नदियों पर बांध और जल भंडारण परियोजनाओं को तेजी से विकसित करने की छूट देता है। हालांकि, मीडिया में यह धारणा बन रही है कि भारत ने इन नदियों का पानी पूरी तरह रोक दिया है। यह सच नहीं है। भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बांध से पानी के प्रवाह को आंशिक रूप से नियंत्रित किया है, जिसका असर सीमित क्षेत्रों में दिखा है। किशनगंगा बांध पर भी ऐसी योजना बन रही है, लेकिन अभी इसे लागू नहीं किया गया।

पाकिस्तान में पानी की कमी की खबरें अतिशयोक्तिपूर्ण हैं, क्योंकि वहां अभी बड़े पैमाने पर जल संकट की स्थिति नहीं बनी है। पानी को पूरी तरह रोकना तकनीकी, आर्थिक, और भौगोलिक रूप से एक जटिल और लंबी प्रक्रिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए भारत को 5 से 10 साल का समय लग सकता है। इसका कारण यह है कि भारत की वर्तमान जल भंडारण क्षमता लगभग नगण्य है, क्योंकि समझौते के तहत केवल रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाओं की अनुमति थी। नए भंडारण बांधों के निर्माण के लिए खरबों रुपये, पर्यावरणीय मंजूरी, और जटिल पहाड़ी क्षेत्रों में इंजीनियरिंग की आवश्यकता होगी।

भारत सरकार ने इस दिशा में तीन चरण की रणनीति अपनाई है। पहले चरण में मौजूदा बांधों, जैसे बगलिहार और किशनगंगा, का उपयोग कर पानी का प्रवाह नियंत्रित किया जा रहा है। दूसरे चरण में रुकी हुई परियोजनाएं, जैसे तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट, को तेजी से शुरू करने की योजना है। तीसरे और दीर्घकालिक चरण में नए बड़े भंडारण बांध बनाए जाएंगे, जो राजस्थान, पंजाब, और हरियाणा जैसे राज्यों को लाभ पहुंचाएंगे। हाल ही में सिंधु नदी पर दो नई स्टोरेज परियोजनाओं की घोषणा की गई है, लेकिन इनके पूरा होने में कई साल लगेंगे। जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर स्थित बगलिहार बांध 450 मेगावाट की पनबिजली परियोजना है, जो 2008 में शुरू हुई थी। यह एक रन-ऑफ-द-रिवर बांध है, जिसका मतलब है कि यह पानी को लंबे समय तक रोकने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया। हाल के हफ्तों में भारत ने इस बांध से पानी के प्रवाह को आंशिक रूप से कम किया है, जिससे पाकिस्तान में चिनाब नदी के कुछ हिस्सों में पानी की मात्रा घटी है। हालांकि, यह कमी अभी इतनी नहीं है कि पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर सूखा पड़ जाए। इसी तरह, झेलम की सहायक नीलम नदी पर किशनगंगा बांध 330 मेगावाट की परियोजना है, जो 2018 में शुरू हुई। भारत इस बांध से भी पानी रोकने की योजना बना रहा है, लेकिन अभी यह लागू नहीं हुआ है। दोनों बांधों की भंडारण क्षमता सीमित है, और इन्हें बड़े पैमाने पर पानी रोकने के लिए अपग्रेड करना होगा। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों की मांग करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन बांधों से पानी का प्रवाह नियंत्रित तो किया जा सकता है, लेकिन पूरी तरह रोकना तब तक संभव नहीं है, जब तक बड़े भंडारण बांध न बनें।

पानी को पूरी तरह रोकने की प्रक्रिया कई चुनौतियों से भरी है। सबसे पहले, अंतरराष्ट्रीय कानून एक बड़ा मसला है। पाकिस्तान ने इस निलंबन को 1969 के वियना कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन बताया है। वह विश्व बैंक, हेग की स्थायी मध्यस्थता अदालत, या अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में जा सकता है।

विश्व बैंक, जिसने समझौते की मध्यस्थता की थी, इस मामले में तटस्थ भूमिका निभा सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव भारत के लिए चुनौती बन सकता है।दूसरा, पर्यावरणीय मुद्दे भी महत्वपूर्ण हैं। बड़े पैमाने पर पानी रोकने से नदी बेसिन का पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो सकता है। स्थानीय वनस्पति, जीव-जंतु, और नदी पर निर्भर समुदायों पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके अलावा, यदि पानी को बड़े पैमाने पर रोका गया, तो जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश जैसे क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। भारी बारिश या ग्लेशियर पिघलने की स्थिति में बांधों की क्षमता अपर्याप्त हो सकती है, जिससे नदियों के किनारे बसे इलाकों में तबाही मच सकती है। तीसरा, तकनीकी और आर्थिक चुनौतियां भी कम नहीं हैं। नए भंडारण बांधों का निर्माण पहाड़ी क्षेत्रों में करना होगा, जहां भूकंप का जोखिम, भूस्खलन, और जटिल भूगोल इंजीनियरिंग को मुश्किल बनाते हैं। इसके लिए भारी निवेश और लंबी अवधि की योजना की जरूरत है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और कृषि सिंधु नदी प्रणाली पर अत्यधिक निर्भर है। वहां की 80% कृषि भूमि और प्रमुख शहर, जैसे कराची और लाहौर, इस जल प्रणाली पर निर्भर हैं। भारत के फैसले से पाकिस्तान में चिंता का माहौल है। पाकिस्तानी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा, सिंधु में पानी बहेगा या खून बहेगा। पाकिस्तान ने इस निलंबन को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए विश्व बैंक, हेग की मध्यस्थता अदालत, और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में जाने की बात कही है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस घटनाक्रम पर नजर रख रहा है। चीन और अफगानिस्तान, जो सिंधु बेसिन के हिस्से साझा करते हैं, इस फैसले के प्रभावों का आकलन कर रहे हैं। यदि भारत पानी रोकने में सफल होता है, तो यह दक्षिण एशिया के जल-राजनीतिक समीकरण को बदल सकता है।

भारत का यह फैसला पाकिस्तान पर दबाव बनाने का एक रणनीतिक कदम है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर कड़ा संदेश देता है। लेकिन यह केवल तकनीकी मसला नहीं, बल्कि कूटनीतिक, कानूनी, और पर्यावरणीय चुनौतियों से भरा है। भारत को नए बांधों के निर्माण, पर्यावरणीय प्रभावों, और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों से जूझना होगा। साथ ही, बाढ़ जैसे जोखिमों को कम करने के लिए मजबूत योजना की जरूरत है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के लिए यह फैसला दीर्घकालिक जल संकट का खतरा पैदा कर सकता है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता पर असर पड़ सकता है। हालांकि, समझौता स्थगित होने से यह संभावना भी बनी है कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाता है, तो दोनों देश कूटनीतिक बातचीत के जरिए तनाव कम कर सकते हैं।

मीडिया में चल रही भ्रामक खबरों के बीच यह समझना जरूरी है कि भारत का फैसला एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। पानी का प्रवाह तत्काल नहीं रुका है, और न ही पाकिस्तान अभी सूखे की चपेट में है। लेकिन आने वाले वर्षों में भारत की नई परियोजनाएं और बांध इस क्षेत्र के जल-राजनीतिक समीकरण को बदल सकते हैं। यह समय दोनों देशों के लिए संयम, कूटनीति, और दूरदर्शिता का है, ताकि तनाव युद्ध या बड़े संकट में न बदल जाए।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

समता व न्याय आधारित विकल्प के समक्ष चुनौतियां

■ डॉ. रामजीलाल

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा।विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं। अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 - 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ. अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय-समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है।

अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों- दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें - भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के

लिए समान वेतन का हक- पूरी हों। अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है।

अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर। भारत में कई तरह की विविधताओं के चलते अंबेडकरवाद सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने के लिए 'विविधता में एकता के सिद्धांत' की वकालत करता है। अंबेडकरवाद सामाजिक असमानता, अन्याय, अस्पृश्यता, जातिवाद, सामंतवाद, पूंजीवाद, नौकरशाही के जन-विरोधी रवैये, बहुसंख्यक तानाशाही, हिंसक आंदोलनों, धर्म-आधारित या धर्म-प्रधान राज्यों के खिलाफ है।अंबेडकरवाद के अनुसार जातिवाद के कारण उत्पन्न अस्पृश्यता संकुचित, विभाजक व अमानवीय है। जो राष्ट्रीय एकता, एकीकरण के अलावा देश के विकास में अवरोधक है। अंबेडकरवाद के अनुसार अस्पृश्यता के कारण दलित वर्ग को अपमान झेलना पड़ा। सामाजिक क्रांति के बिना शोषण, असमानता, एवं अपमानजनक व्यवहार समाप्त नहीं होगा। वे जाति प्रथा उन्मूलन के पैरोकार थे। अंबेडकरवाद के समक्ष प्रमुख चुनौतियां हैं- भेदभाव और सामाजिक असमानता, राजनीति में नायक पूजा, जातिवाद, अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अपराध, हिंसा, अमानवीय घटनाओं, जाति व रंग के आधार पर अत्याचारों में वृद्धि, प्रशासन में पक्षपात और आर्थिक असमानता आदि।

भारत के संविधान के लागू होने के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में विद्यमान विरोधाभासों पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि '26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभासों के जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम एक व्यक्ति, एक वोट और एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को मान्यता देंगे। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में, हम अपनी सामाजिक और आर्थिक संरचना के कारण, एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को नकारते रहेंगे। हम कब तक विरोधाभासों का जीवन जीते रहेंगे व सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? अगर हम इसे लंबे समय तक नकारते रहेंगे, तो हम अपने राजनीतिक लोकतंत्र को खतरे में डाल देंगे। हमें इस विरोधाभास को जल्द से जल्द दूर करना होगाज।' अंबेडकरवाद के अनुसार, विभिन्न जातियों, धर्मों, संस्कृतियों, क्षेत्रों और विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों के बीच सद्भावना आवश्यक है। भारत की विशालता और विविधता को ध्यान में रखते हुए 'विविधता में एकता' के आधार पर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है। अंबेडकरवाद वर्तमान व्यवस्था के विकल्प की वकालत करता है जिसका उद्देश्य गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी और अशिक्षा से मुक्त समतावादी समाज की स्थापना; सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; प्रमुख उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण; धन का विकेंद्रीकरण और हाशिए पर मौजूद वर्गों का सशक्तीकरण है।

(साभार : लेखक समाज वैज्ञानिक हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

मंत्री प्रहलाद पटेल सेमरी हरचंद में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में हुए शामिल

सरपंच एवं पंच अपनी पंचायतों को आत्मनिर्भर-स्वावलंबी बनाएं: पटेल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि पंच सरपंच सरकार की ताकत है। समाज से लेना एवं समाज को वापस लौटना पंच सरपंचों का कार्य है। पंच सरपंच के कारण गांव में विकास के कार्य होते है। गांव में संस्कार समृद्धि एवं शांति बनी रहती है। मंत्री श्री पटेल बुधवार को सोहागपुर तहसील के ग्राम सेमरी हरचंद में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। श्री पटेल ने कहा कि पूर्व में पंच एवं सरपंचों को ना अधिकार मिलता था ना ही शासन से पैसा मिलता था, लेकिन हमारी सरकार ने पंच एवं सरपंचों को अधिकार संपन्न तो बनाया ही साथ ही विकास कार्य के लिए राशि का आवंटन भी किया। पूर्व में सभी सरपंचों को गांव के विकास कार्य के लिए 15 लाख रुपए की राशि दी जाती थी, इसके लिए भी उन्हें जिला पंचायत में स्वीकृति के लिए जाना पड़ता था लेकिन हमने उस राशि को बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दिया है। अब सभी सरपंच अपनी पंचायत में विकास के कार्य करा सकेंगे। अपनी पंचायत को ई पंचायत बन सकेंगे। श्री पटेल ने कहा कि पूर्व में एक पंचायत भवन बनाने के लिए 17 लाख रुपए की राशि दी जाती थी लेकिन अब शासन ने उसे बढ़ाकर 38 लाख रुपए तक कर दिया है और पंचायत भवन अब तीन मंजिला तक बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में 1153 अटल सेवाग्राम सदन बनाए गए हैं एवं 1800 की स्वीकृति भी शीघ्र दी जाएगी। अब सभी ग्राम पंचायत भवन सर्व सुविधा युक्त रहेगी। श्री पटेल ने कहा कि सभी सरपंच एवं पंच अपनी ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी पंचायत बनाएं। शासन द्वार विकास कार्य के लिए दी गई राशि का समुचित उपयोग करें और हर सरपंच यह प्रयास करें कि वह अपनी ग्राम पंचायत की आय कैसे बढ़ा सके इसके लिए प्रयास करें। छोटे-छोटे रोजगार का सृजन करें।

मंत्री पटेल ने कहा कि यदि सभी सरपंच तय कर ले कि हमारे ग्राम पंचायत में पानी की कमी नहीं होगी एवं वे छोटे-छोटे जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए बावड़ी, तालाब, सरोवरों का पुर्नउद्धार कर ले, नाला एवं नालियों की साफ सफाई कर ले एवं वॉटर रिचार्ज के प्रयास करें तो जल गंगा संवर्धन अभियान अपने आप में सफल हो जाएगा। पटेल ने कहा की मनुष्य की तुलना में वृक्ष कम है। गांव का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है सभी सरपंच खेत तालाब बनाएं एवं पानी की एक-एक बूंद का संरक्षण करें।। सभी सरपंच शासकीय भूमि का समुचित उपयोग करें तथा छोटे-छोटे रोजगार सृजन कर पंचायत की आय में वृद्धि करें औरअपनी पंचायत को स्वावलंबी बनाएं।

मंत्री ने करोड़ों के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया

इस दौरान मंत्री पटेल ने करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। पटेल प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही लोचन, राघव, इंद्र मीना, मल खान गुर्जर को आवास स्वीकृत का पत्र प्रदान किया। संबल योजना के अंतर्गत मती रामकली, मती तुलजा बाई, जगदीश प्रसाद, संतोष अग्रवाल को राहत राशि का चेक प्रदान किया साथ ही स्व सहायता समूह को भी स्वीकृति पत्र प्रदान किये। कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि पंच एवं सरपंचों के कारण ही सरकार की सारी योजनाएं धरातल पर क्रियान्वित होती है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण में प्रदेश में रिकॉर्ड स्तर पर सिंचाई की सुविधा मुहैया कराई गई थी। राज्यसभा सांसद मती माया नारोलिया ने कहा कि मंत्री पटेल ने समूचे प्रदेश को सामुदायिक भवन, मंगल भवन एवं प्रधानमंत्री आवास की सौगात दी है। विधायक विजयपाल सिंह ने कहां की पटेल जन नायक है उन्होंने तीन बार मां नर्मदा नदी की पैदल परिक्रमा की है। वह प्रदेश की हर नदी के उद्गम स्थल तक पहुंच रहे हैं और जल की चिंता करते हैं। साथ ही उनका प्रयास रहता है कि कैसे जल का संरक्षण किया जाए एवं सभी नदियां 12 महीने प्रवाह मान रहे। उन्होंने बताया कि सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास की सौगात मिली है, सभी जगह पक्की सड़क एवं बिजली की सुविधा है। उन्होंने मांग की की मां नर्मदा नदी के किनारे किनारे नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए आश्रय गृह बनाया जाए। इसके पूर्व कलेक्टर सु सोनिया मीना ने पलक मति नदी के पुनरुत्थान के लिए चलाए जा रहे प्रोजेक्ट की जानकारी दी और बताया कि सभी की प्रोजेक्ट एवं जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 169 कार्य चिन्हित अंकित किए गए हैं। 3 महीने तक चलने वाले इस अभियान में नवीन एवं पुरानी जल स्रोतों के जीर्णोद्धार का कार्य किया जाएगा, साथ ही वृहद स्तर पर पौधारोपण का कार्य भी किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 427 कार्यों में 15 विभाग की विभिन्न गतिविधियां शामिल की गई है। खेत तालाब एवं कूप रिचार्ज तालाब, बावड़ी एवं नदी के पुनर्जीवन के लिए श्रमदान भी किया जा रहा है।

नदियां 12 महीने प्रवाह मान रहे

मंत्री पटेल ने कहा कि हम सभी यह संकल्प ले की मां नर्मदा सदा स्वच्छ एवं अविरल रहे साथ ही पलक मति नदी एवं उसकी सहायक नदियां 12 महीने प्रवाह मान रहे। पटेल कहां की इसके लिए हम सबको पौधारोपण करने की आवश्यकता है। हम जितना नदियों से लेते हैं उतना हम नदियों को भी लौटाए।

सरपंचों के अधिकारों में कटौती नहीं की जाएगी

पटेल ने कहा कि सरपंचों के अधिकार क्षेत्र में कोई कटौती नहीं की जाएगी लेकिन सभी सरपंचों का यह दायित्व होगा कि वह अपना कर्तव्य पालन पुरी मेहनत एवं ईमानदारी से करें। अपनी ग्राम पंचायत को जिम्मेदार बनाएं। पर्यावरण का संरक्षण करें। जल स्रोतों को विकसित कर पौधारोपण करें एवं ग्राम मैं समृद्धि एवं खुशहाली लाए। गांव को शक्तिशाली एवं आत्मनिर्भर बनाएं। पटेल ने कहां की सभी ग्राम पंचायत के पास अपना स्वयं का भवन रहेगा। 15 वे वित्त के अलावा अब स्टांप जनगणना के अनुसार भी पंचायत को राशि दी जाती है।

सरपंच अपनी पंचायत को अपना परिवार समझें

पटेल ने कहां की सभी पंच एवं सरपंच अपनी पंचायत को सुविधा संपन्न बनाएं साथ ही जिस तरह अपने परिवार को लेकर चलते हैं इस तरह अपनी ग्राम पंचायत को परिवार के सदस्य की तरह लेकर चलें। पटेल ने कहां की अच्छा कार्य करने वाले सरपंचों को 3 करोड़ की राशि विकास कार्यों के लिए दी जाएगी साथ ही शेष सरपंचों को भी एक करोड़ की राशि देने का प्रावधान शासन द्वारा किया गया है।

नेशनल लोक अदालत के लिए प्रचार-प्रसार वाहन किया रवाना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी सिलसिले में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नर्मदापुरम द्वारा प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाई। न्यायाधीश एवं सचिव विजय कुमार पाठक ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार 10 मई को आयोजित होना है। इसके जरिए न्यायालयों में लंबित सभी प्रकार के समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना, क्षतिपूर्ति दावा विद्युत एवं जलकर, पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, बैंक ऋण की वसूली के प्रकरण, सिविल न्यायालय में लंबित राजस्व प्रकरण व अन्य प्रकार के दीवानी प्रकरणों का आपसी सुलह समझौते के माध्यम से निराकृत किए जाएंगे। प्रिलिटिगेशन प्रकरणो में विद्युत विभाग, नगर पालिका एवं बैंक के रिकवरी प्रकरणो निराकरण हेतु रखा जाएगा।

पक्षकारगण से अनुरोध है कि अपने विवाद का निराकरण आपसी राजीनामा कर हमेशा के लिए समाप्त करें। उक्त अवसर पर समस्त न्यायाधीशगण एवं विद्युत विभाग उप महाप्रबंधक अवधेश त्रिपाठी व जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह उपस्थित रहे।

संस्कृत विद्यालय के लिए विधायक ने स्वीकृत की 3 लाख की राशि

गंजबासौदा। नवीन कृषि मंडी बरेठ रोड के पास संचालित महर्षि भृगु संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संस्कृत के छात्रों को शिक्षा दीक्षा दी जाती है। उक्त विद्यालय में विद्यार्थियों के आवास निवास के निर्माण के लिए विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने 3 लाख रुपए की राशि, विधायक निधि से स्वीकृत की है। बासौदा सहित आसपास के क्षेत्र के बच्चों को संस्कृत सहित वेद पाठ की शिक्षा हो सके, इस हेतु विद्यालय के व्यवस्थाओं में आर्थिक सहयोग की मांग की थी। उनके इस निवेदन पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने 3 लाख रुपए की विधायक निधि तत्काल स्वीकृत की। जिस पर प्रतिनिधिमंडल में उपस्थित पंडित मुन्नालाल शास्त्री, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा, डॉ आरसी शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, पवन रिछारिया, मनोज रावत नितिन शुक्ला, गगन दुबे आदि ने विधायक हरिसिंह रघुवंशी का आभार व्यक्त किया है।

सुयश इन स्टूडेंट्स ने भी बोर्ड परीक्षा मे किया नाम रोशन

कक्षा 10 में विनायक परमार ने 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्लास में प्रथम रहे

नर्मदापुरम। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला तवा नगर में कक्षा दसवीं के छात्र विनायक पिता वीरेंद्र परमार ने 92.4 प्रतिशत अंक लाकर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया

उल्लेखनीय है विनायक को सभी विषयों में विशेष योग्यता के साथ हिंदी में 88 इंग्लिश में 97 संस्कृत में 90 गणित में 98 साइंस में 89 सोशल साइंस में 78 अंक प्राप्त किया इस उपलब्धि पर शाला परिवार सहित परिजन मित्र शुभचिंतक ने बधाई शुभकामना देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की.

आयुषी दुबे ने कक्षा 12वीं में 85 प्रतिशत अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया

नर्मदापुरम। शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल सुखतवा में कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी आयुषी पिता उमेश दुबे ने 85 प्रतिशत अंक लाकर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया

उल्लेखनीय है हिंदी में 92 बायोलॉजी में 96 फिजिक्स में 83 केमिस्ट्री में 79 इंग्लिश में 75 अंक लाकर सभी विषयों में विशेष योग्यता हासिल की इस उपलब्धि पर प्राचार्य एवं विद्यालय परिवार परिजन ईस्ट मित्र शुभ चिंतकों ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की.

मीनल देशमुख ने कक्षा 10 में 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर किया कमाल

नर्मदापुरम। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला तवानगर में अध्ययन रत कक्षा दसवीं की छात्रा कुमारी मीनल पिता सुरेश देशमुख ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर -छात्रा वर्ग में शाला में प्रथम स्थान प्राप्त किया उल्लेखनीय है मीनल ने गणित में 99 हिंदी में 93 इंग्लिश में 83 संस्कृत में 89 साइंस में 82 सोशल साइंस में 89 अंक प्राप्त किया साला परिवार सहित परिजन ईस्ट मित्र शुभ चिंतकों ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की.

ईशाना खान ने कक्षा 12वीं में 78 अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया

नर्मदापुरम। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला तवा नगर में कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी ईशाना पिता इशरत खान ने 78 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया

हिंदी में 87 भूगोल में 86 राजनीति शास्त्र में 83 अर्थशास्त्र में 75 अंक लाकर विशेष योग्यता हासिल की इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य व्यायाम शिक्षक हेमंत पटेल वालीबाल संघ के जिला उपाध्यक्ष बशारत खान ने बताया ईशाना खान वॉलीबॉल की उत्कृष्ट खिलाड़ी भी है राज्य स्तर पर अपने खेल का प्रदर्शन कर नगर एवं विद्यालय का नाम भी रोशन कर चुकी है.

पालीटेक्निक महाविद्यालय मे डिप्लोमा में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ

नर्मदापुरम। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में सत्र 2025-26 के लिए डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू हो गए हैं। प्राचार्य डॉ. पी.सी. नरवरे ने बताया कि महाविद्यालय में संचालित तकनीकी पाठ्यक्रम (सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) एवं गैर-तकनीकी डिप्लोमा पाठ्यक्रम (मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट) के प्रथम चरण में टी.एफ.डब्लू और सामान्य सीटों के लिए संयुक्त रूप से पंजीयन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया 1 जून 2025 की रात 11:45 तक चलेगी। प्रवेश 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के अंको के आधार पर होगा। रजिस्ट्रेशन में यदि किसी प्रकार की कोई असुविधा होती है तो छात्र-छात्राएं महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष आर.आर. चन्द्राकर-7999982337 एवं देवेश तिवारी-7999832684 से संपर्क कर अथवा महाविद्यालय पहुँच कर प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है।

सड़क दुर्घटना का शिकार हुए अक्षय दुबे की मौत का मामला

सड़क दुर्घटना पर अब तक कई सवाल !

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

करीब दो साल पहले 11 जून 2023 को डोलरिया थाना क्षेत्र में एक कार दुर्घटना का मामला बार बार चर्चा में आ रहा है।कार में अक्षय दीक्षित सहित जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. देहलवार डॉक्टर रोहित शर्मा सवार थे। इस दुर्घटना में अक्षय दीक्षित की मौत हुई थी। दुर्घटना को लेकर पुलिस को दिए बयान में डॉक्टर देहलवार ने बताया कि सड़क पर सामने से आ गई एक गाय को बचाने में दुर्घटना हुई है। जबकि पुलिस ने रिपोर्ट में यह दर्ज किया था की गाड़ी की गति तेज थी इसलिए दुर्घटना हुई।

पुलिस द्वारा अपनी रिपोर्ट में तेज गति का हवाला दिए जाने से परिजनों को बीमा कंपनी द्वारा बीमा राशि नहीं दी गई। पुलिस द्वारा अपनी रिपोर्ट में मृतक अक्षय दीक्षित का एक पैर गायब होना बताया गया था जबकि कहा जाता है कि दाह संस्कार के दौरान दोनों पैर थे। मामले की जांच के लिए 2 नवंबर 2023 को एस पी तथा आईजी को ज्ञापन देकर घटना की जांच करने की मांग की गई थी। पुलिस द्वारा इस

आवेदन को लेकर डॉक्टर देहलवार के बयान लिए गए और जांच करने की बजाय मामले को खत्म कर दिया गया।अक्षय दीक्षित के पिता का कहना है कि यदि मामले की जांच होती तो सामने कई प्रकार के तथ्य सामने आ सकते थे। इससे दुर्घटना होने की वास्तविकता उजागर हो जाती।

वाहन में सवार डॉक्टर देहल वार द्वारा डोलरिया थाने में जो बयान दिए गए थे। वह बयान तथा एसपी ऑफिस में जो बयान दिए गए थे उस बयान में भिन्नता नजर आती है। डोलरिया थाने में डॉक्टर ने बयान दिए थे कि सड़क पर गाय आ जाने से गाय को बचाने में दुर्घटना हुई है एसपी ऑफिस में जो बयान डॉ देहलवार ने दिए उसमें बताया कि अक्षय दीक्षित नशे में वाहन चला रहे थे। जबकि बिसरा जांच की फोरेंसिक रिपोर्ट में किसी प्रकार के नशे का उल्लेख नहीं किया गया !! अक्षय के पिता ने जाँच को लेकर 14 बिंदुओं को प्रस्तुत कर उनके आधार पर जांच करने की मांग पुलिस से की थी।

घायल को छोड़कर घर आ गए

वाहन दुर्घटना में अक्षय दीक्षित की तो मौत हो गई लेकिन डॉक्टर देहलवार सकुशल बच गए। इतना भीषण हादसा होने के बाद भी डॉक्टर देहलवार घटनास्थल से किसी तरह अपने घर आ गए जबकि उन्हें घायल दीक्षित के पास होना जरूरी था।

यह महज़ एक दुर्घटना थी या कोई षड्यंत्र पूर्वक कारनामा था। इस घटना को लेकर अक्षय दीक्षित की पत्नी द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रपति सहित देश के कई नामी हस्तियों को आवेदन देकर इस कांड की जांच की मांग की है। अक्षय दीक्षित के पिता समाजसेवी अरुण दीक्षित के अनुसार वाहन में सवार डॉक्टर देहलवार द्वारा दुर्घटना के दौरान क्षेत्र के थाना डोलरिया में जो बयान दिए गए और उसके बाद एसपी ऑफिस में जो बयान दिए गए इन दोनों बयानों में भिन्नता है।

मेट्रो एंकर बेतौली से लेकर धर्म कांटे तक सड़क के बीच बन रहे हैं डिवाइडर

नपाध्यक्ष एवं सीएमओ ने लिया निर्माण कार्यों का जायजा

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

बेतौली फाटक से धर्म कांटे तक सड़क के बीचो-बीच बनाए जा रहे डिवाइडर का नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव एवं सीएमओ रणवीर सिंह राजपूत ने निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ इंजीनियर और नपा के कर्मचारी गण मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान इंजीनियर मोहिनी कोरी ने बताया कि बेतोली फाटक से सड़क के बीचो-बीच डिवाइडर का निर्माण कार्य चल रहा है और उनके बीच में अंडरग्राउंड विद्युत लाइन डाली जाएगी। इस विद्युत लाइन के जरिए डिवाइडरों के बीच में लगने वाले विद्युत पोलों मैं दोनों और लगने वाले लैंप प्रकाशमान होंगे।

इसी बीच सभी ने घुंघरू गार्डन के पास पुलिया के चौड़ीकरण कार्य और भावसार

पुलिया के चौड़ीकरण कार्य के अलावा सड़क के दोनों और बन रहे नाला एवं पेवर ब्लॉकिंग के काम को देखकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पाराशरी चौड़ीकरण एवं सौंदर्य करण के कार्यों का जायजा भी लिया। नपाध्यक्ष यादव ने अपने निरीक्षण में वेदनखेड़ी पुल के एक हिस्से में सीसी कोड डलवाए जाने और दोनों और रेलिंग के अलावा पिचिंग के काम को भी जल्द से जल्द निपटने के निर्देश संबंधित ठेकेदार को दिए।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना का अभिनंदन

गंजबासौदा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई द्वारा भारतीय सेना के सफल ऑपरेशन सिंदूर के उपलक्ष्य में सेना के शूरवीर जवानों का हृदय से अभिनंदन किया गया। इस अवसर को उत्सव के रूप में मनाते हुए स्थानीय महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा पटाखे फोड़े गए एवं मिठाइयाँ बांटी गईं, जिससे समूचा वातावरण देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान शुभम् सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस गौरवशाली अभियान ने सम्पूर्ण देशवासियों का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। उन्होंने भारतीय सेना की वीरता, समर्पण और रणनीतिक कौशल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से गजेंद्र राजपूत, तनवंत मालवीय, फ़रान खान, हर्षन जैन ,तरुण ठाकुर सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने निर्माणाधीन नालों का किया निरीक्षण, बारिश से पूर्व चालू करने के दिए निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहरी क्षेत्र के मुख्य मार्गों के नाले बनाने काम नगर पालिका परिषद के द्वारा ठेकेदारों से करवाया जा रहा है जिनमें कई ठेकेदारों के द्वारा ढीले रवैया के साथ इनको बनाने काम किया जा रहा है। इसके चलते बुधवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने मुख्य नगर पालिक सीएमओ राम प्रकाश साहू के साथ इनका जायजा लेकर संबंधित ठेकेदार को बारिश से पहले इन सभी का निर्माण पूर्ण करने के साथ एक-दूसरे से कनेक्ट करने के निर्देश देते हुए कहा कि व्यवस्थित रूप से हो

■ कार्य में लापरवाही मिली तो संबंधित पर करवाई की जाएगी

जिससे कि पानी निकासी व्यवस्था भी सही तरीके से हो इस बात की चिंता भी समय से पहले कर ले नालों के साथ नालियों के काम भी जहां होना है उनको शीघ्र कर वाले गुणवत्ता के साथ नाले और नालियों का काम इसके के लिए सबंधित अधिकारी इनको कार्य को देखते रहे लापरवाही मिलने पर करवाई की जाएगी ।

कोटगेट क्षेत्र में जर्जर सरकारी बिल्डिंगों का मामला

क्षतिग्रस्त मकानों में रह रहे लोगों को करेंगे बाहर : एसडीएम

इन लोगों पहले ही नोटिस दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक खाली करने का नाम नहीं ले रहे हैं, अब प्रशासन ही सख्ती से खाली करा सकता है

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर के कोर्ट गेट क्षेत्र में आज भी कई लोगों अबैध रूप से सरकारी बिल्डिंगों में रहे हैं जिसके कारण कभी भी बड़ी जनहानि हो सकती उसको दृष्टिगत करते हुए एसडीएम ने क्षेत्र का जायज़ा लिया यहां पर रहने वाले लोगों को तत्काल टूटी फूटी बिल्डिंग के मकान को खाली करने के निर्देश दिए हैं इनको समझाया भी है नहीं मानने वालों पर प्रशासन अपनी तरफ से इन्हें बाहर निकालने की कार्रवाई करेगा बड़ी संख्या में लोग यहां पर निवास कर रहे हैं।

पहले भी नोटिस दिए गए पर खाली नहीं हो पाई इस बार देखना है कि प्रशासन खाली कर पाएगा या नहीं। वहीं क्षतिग्रस्त मकानों में भी निवास कर रहे लोगों को भी डर नहीं है जबकि क्षतिग्रस्त मकान कभी गिर सकते हैं जिसके कारण कभी भी कोई भी बड़ी जनहानि भी हो सकती है उसको दृष्टिगत लगाते हुए इन लोगों को यहां से बाहर करने का काम भी बारिश से पहले किया जाएगा इसके लिए एसडीम हर्षल चौधरी ने प्रशासनिक अमले के साथ पहुंच कर पूरे क्षतिग्रस्त मकानों को देखते हुए इन टूटे-फूटे घरों में रह रहे लोगों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए एसडीएम ने कहा कि क्षतिग्रस्त मकानों में निवास करने से जान माल के नुक़सान होने का खतरा बना हुआ है इसीलिए समय से इन मकानों को खाली कर दें यहां कभी-भी गिर सकते हैं दूसरे मकान में रहने क लिए चले जाएं समय सीमा भी इनको देते हुए कहां कि ऐसा नहीं किया गया तो हम लोगों को प्रशासनिक कदम उठाते हुए आप लोगों को निकालने के लिए मजबूर होना पड़ेगा सभी के लिए नुकसानदायक हैं हम किसी हालत में यहां हम लोगों को किसी भी हालत में निवास नहीं करने दे सकते।

अभी जिस हालत में यह मकान है उनको देखते हुए ऐसा लगता है कभी भी यह भरवारा कर गिर जाएंगे ऐसा होने पर बड़ा नुकसान भी हो जाएगा बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं । बारिश होने पर और भी बुरे हालात कोर्ट गेट एरिया में बन सकते हैं।पहले क्षेत्र में प्रशासनिक अमले के सरकारी ऑफिस थे उनके निवास थे अब वह खाली हो गए थे कई लोगों ने इन सरकारी मकानों पर अवैध रूप से कब्जा करके अपने निवासी कर लिए हैं और इनको खली करने के लिए भी सहमत नहीं हो रहे इससे पहले भी एसडीएम और पी डब्लू डी विभाग के द्वारा इनको बिल्डिंग खाली करने के लिए कई बार नोटिस जारी हो चुके हैं पर इनमे रहने वाले लोग यहां से जाने को तैयार नहीं हो रहे हैं ।वहीं देखना है कि इस बार इन मकानों में रहने वाले लोगों को यहां से निकलना का लिए अधिकारी कितनी ठोस कार्रवाई कर पाएंगे या फिर यह लोग इन क्षतिग्रस्त मकानों में इसी तरह निवास करते रहेंगे किसी दिन बड़ी दुर्घटना होने के उपरांत ही यह लोग यहां से जानो को तैयार होंगे बरसों से कोर्ट गेट एरिया की सरकारी बिल्डिंग जगह जगह से क्षतिग्रस्त होने की वजह से यहां पर लगने वाले कार्यालय दूसरी जगह शिफ्ट हो गए बस कई सालों से अवैध दूसरे लोग अपनी जान जोखिम में डालकर निवास कर रहे हैं यहां प्रशासन के लिए बड़ा जोखिम है।

इनका कहना है

बिल्डिंग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है यहां रहने वाले लोगों को जल्दी बाहर करेंगे ये बिल्डिंग कभी भी गिर सकती हैं ये जर्जर मकान रहने लायक नहीं हैं।

-हर्षल चौधरी एसडीएम

प्राचीन काल से ही कायस्थ समाज राष्ट्र धर्म और सामाजिक जीवन में अपना विशिष्ट योगदान देता रहा हैं : शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्राचीन काल से ही कायस्थ समाज भारत भूमि पर राष्ट्र धर्म और सामाजिक जीवन में अपना विशिष्ट और अमूल्य योगदान देता रहा हैं. कायस्थ समाज के पितृ पुरुष भगवान् श्री चित्रगुप्त जी तो सृष्टि के आरम्भ से ही पाप पुण्य का लेखा जोखा सम्पूर्ण प्राणियों का रखते आये हैं उक्त बात श्री चित्रगुतजी मंदिर लिंक रोड पर आयोजित कायस्थ समाज के कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा नेमुख्य अतिथि के रूप में कही.

उन्होंने आगे कहा की प्राचीन काल से लेकर स्वतन्त्रता काल में नेताजी सुभाष चंद बोस हो या धर्म संस्कृति के क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद हो चाहे डॉ राजेंद्र प्रसाद लालबहादुर शास्त्री प्रेमचंद हो या जगदीशचंद बसु हो सभी ने देश के लिए योगदान दिया हैं. इस अवसर परविशेष अतिथि कायस्थ महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष अवधनारायण श्रीवास्तव ने कायस्थ समाज की भूमिका

विषय पर अपना वक्तव्य दिया. कार्यक्रम में सेवानिवृत शासकीय लोगों का भी संम्मान किया गया. जिसमे राजेश श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव महेश सक्सेना संतोष श्रीवास्तव आशुतोष श्रीवास्तव राजकुमारी श्रीवास्तव संध्या श्रीवास्तव का सम्मान विधायक शर्मा ने किया. विधायक शर्मा ने समाज को 10लाख रूपये की धनराशि मंदिर निर्माण हेतु भेंट की.कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के पूर्व अध्यक्ष व्ययोवृद्ध श्री रामदयाल श्रीवास्तव ने की. समाज के अध्यक्ष श्री अशोक निगम ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया. साथ ही इस अवसर पर 51हजार रूपये के राशि समाजिक कार्य हेतु प्रदान की. महिलाओ की और से कायस्थ महिलामंडल कीबाध्यक्ष माधवी माथुर ने विचार रखे.इससे पूर्व कायस्थ समाज ने नगर में छटरीनाका मंदिर से चित्रगुप्त जी मंदिर तक शोभायात्रा निकाली जिसमे बड़ी संख्या में समाज के सभी व्यक्तियों एवं महिलाओ तथा बच्चो ने भाग लिया. संचालन राजेश श्रीवास्तव ने किया आभार व्यक्त चक्रेश श्रीवास्तव ने किया.. कार्यक्रम में महा आरती का आयोजन किया गया जिसमे भी विधयक शर्मा सम्म्मलित हुए.. कार्यक्रम के अंत में समस्त समाज जनो का स्नेहभोज हुआ जो देर ह्ड्डुह्ल तक चलता रहा..

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष जयकुमार माथुर नीरज श्रीवास्तव पंकज श्रीवास्तव अशोक श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव पूनम श्रीवास्तव शोभायात्रा श्रीवास्तव विवेक सक्सेना विनोद श्रीवास्तव शरद श्रीवास्तव सहित समाज जन उपस्थित रहे.

नवनियुक्त शिक्षकों के साथ अन्याय

■ नवनियुक्त शिक्षकों ने स्थानांतरण में सभी शालाओं के ऑप्शन खोलने की उठाई मांग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शिक्षा विभाग भोपाल में स्थानांतरण दो साल बाद ओपन हुए है, उसके बाद भी नवनियुक्त शिक्षकों को इंतजार करने के बाद भी निराशा ही हाथ लगी।

दरअसल शिक्षा विभाग सबसे बड़ा विभाग माना जाता है एवं यह सेवा क्षेत्र में आता है, शिक्षा विभाग के शिक्षक जिनको समाज में गुरु का दर्जा प्राप्त है, जिससे सारे प्रोफेशन शिक्षा एवं शिक्षक के द्वारा ही तैयार करके उन्हें शिक्षित करके लायक बनाया जाता है ।

इस विभाग के कर्मचारियों शिक्षकों की स्थानांतरण नीति जारी हो चुकी है एवं 6 मई से ऑनलाइन पोर्टल से स्वैच्छिक स्थानांतरण हेतु आवेदन किए जा रहे है, जो कि 16 मई तक चलेंगे। इस प्रक्रिया में लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के पत्र क्रमांक 9, दिनांक 06-05-2025 के अनुसार स्थानांतरण नीति 2022 की कंडिका 3.1.6 के अनुक्रम में नवनियुक्त शिक्षकों (16- 10-2021 या उसके पश्चात पदस्थापना वाले) को केवल सांदीपनि स्कूल, उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूलों में स्वैच्छिक स्थानांतरण ले सकेंगे। इस आदेश के तहत् शिक्षा विभाग की पारदर्शिता वाली स्थानांतरण नीति पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। दरअसल शिक्षा विभाग में 2022 में स्थानांतरण किए गए थे, जिसमें नवनियुक्त शिक्षकों को सारे विद्यालयों में आवेदन करने का अधिकार दिया गया था, और उस समय वास्तविकता में शिक्षा विभाग के स्थानांतरण में पारदर्शिता थी।

अभी नवनियुक्त शिक्षकों की संख्या अधिक है एवं सांदीपनि, उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूल जिनके विकल्प उनके लिए खोले जा रहे है उनकी संख्या काफी कम है जैसे ऊंट के मुंह ने जीरा ।

मध्यप्रदेश नवनियुक्त शिक्षक संघ द्वारा सोशल मीडिया के जरिए एवं अन्य जगहों ज्ञापन के माध्यम से शिक्षा विभाग में सीएम और शिक्षा मंत्री जी से स्थानांतरण हेतु सभी विद्यालयों के ऑप्शन खोलने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि पूर्व में नवनियुक्त शिक्षकों को 2022 में सभी विद्यालयों के ऑप्शन खोले गए थे, उसी तरह इस बार लंबे समय बाद स्थानांतरण नीति आई है, हम सभी शिक्षक अपने घरों से कई किलोमीटर दूर कार्य कर रहे है, एवं किसी के छोटे बच्चे है, तो कोई अपने बीमार माता पिता की देखभाल नहीं कर पा रहा है, इस तरह की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शासन मानवीयता के आधार पर नव नियुक्त शिक्षकों को सभी विद्यालय चयन करने का ऑप्शन खोले।

जानबूझकर फसाया पेंच

वरिष्ठ पत्रकारों ने नवनियुक्त शिक्षकों को अन्य विद्यालयों के ऑप्शन न खुलने को लेकर नवनियुक्त शिक्षकों के साथ भेदभाव एवं सरकार का कमाई का जरिया एवं स्थानांतरण नीति को छदम प्रणाली बताया गया है। जानकारों ने बताया कि जब नवनियुक्त शिक्षकों को अन्य विद्यालय अपने स्थानांतरण के लिए ओपन नहीं होंगे तो मजबूर शिक्षक यहां वहां संपर्क करेंगे एवं दलालों के माध्यम से उनसे स्थानांतरण के लिए मोटी रकम लेकर उनका मनचाही जगह प्रशासनिक या अन्य प्रक्रिया के जरिए स्थानांतरण किया जाएगा। यह स्थानांतरण नीति केवल और केवल शिकारी को फसाने के लिए दाने का लोभ और लालच रूपी जाल है।

सरकारी स्कूल घटवार में 93% अंक लाने वाली छात्र को दिया 1100 का पुरस्कार

सिरोंज। कहते हैं प्रतिभा किसी चीज की मोहताज नहीं होती है इस बात को भी घटवार की 12वीं की छात्रा ने साबित कर दिया बिना संसाधनों के भी 12वीं बोर्ड की परीक्षा में 93त्न अंक लाकर अपने मां-बाप के साथ पूरे गांव का नाम रोशन किया जिसके चलते छात्र को 11 हजार का पुरस्कार पूर्व सरपंच विक्रम सिंह रघुवंशी ने देकर सम्मानित किया। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल घटवार की छात्रा सलोनी बैरागी ने 12 वीं में विषय कला से सिरोंज तहसील में प्रथम स्थान एवं सोनम प्रजापति 10 वी में अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान प्राचार्य भवानी रघुवंशी के साथ ग्रामीण जन मौजूद थे।

केवाईसी में पिछड़े 10 पंचायतों के अमले की एसडीएम ने ली बैठक, प्रगति पर दिया जोर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आधार से समग्र आईडी की केवाईसी कार्य विकासखंड में 70त्न प्रतिशत हो गया पर इसको 100त्न करने के लिए करने के लिए । एसडीएम हर्षल चौधरी ने बुधवार को तहसील कार्यालय 10 सबसे पिछड़े हुई पंचायत के सचिव ,रोजगार सहायकों की बैठक लेते हुए कहा कि केवाईसी के काम को गंभीरता से लेकर शत प्रतिशत समय सीमा के अंदर करना इस बात के लिए गंभीरता से कम करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे इसलिए जल्दी से

जल्दी इस काम को खत्म कर करें। इसके अलावा 20 ऐसी पंचायतें हैं जिनका नंबर इनके बाद आता है उनके काम को गति प्रदान करने के लिए एसडीम ने 4 के दल का गठन किया जिसमें पंचायत सचिव ,रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी है जो इस काम को मिलकर करेंगे।

मेट्रो एंकर गिद्धों को प्राकृतिक तौर पर संरिक्षत करने टाइगर रिजर्व को माना था सबसे सुरक्षित, अब गिद्धों से बीमारी फैलने की है आशंका

टाइगर रिजर्व में नहीं लाएं जाएंगे भोपाल में जन्मे कैप्टिव ब्रीडिंग के भारतीय गिद्ध

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में गिद्धों की कैप्टिव ब्रीडिंग से जन्मे बच्चों को छोड़े जाने का प्लान फिलहाल कैंसिल कर दिया गया है वन विभाग को यह आशंका है कि भोपाल स्थित वन विहार के केरवा में कैप्टिव ब्रीडिंग से जन्मे गिद्ध के बच्चे पालतू होकर यहां आएंगे, ऐसा न हो कि कहीं कोई बीमारी फैला दें यही कारण है कि फिलहाल इस प्लान पर आगे काम करना बंद कर दिया गया है और टाइगर रिजर्व प्रबंधन लगातार बढ़ रहे स्थानीय गिद्धों के संरक्षण पर पूरा फोकस कर रहा है दरअसल भोपाल स्थित वन विहार के केरवा में कैप्टिव ब्रीडिंग से जन्मे गिद्ध के बच्चों के तीन जोड़ों को प्राकृतिक रूप से विकसित करने के लिए वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व को चुना गया था। विभाग ने टाइगर रिजर्व में स्थित डोंगरगांव रेंज में गिद्ध कोंच एरिया को चिन्हित किया था। अक्टूबर 2024 में स्टेट लेवल कमेटी ने टाइगर रिजर्व का निरीक्षण भी किया था। इसके बाद नवंबर 2024 में एवियरी (जिसमें गिद्ध के बच्चों को रखा जाना था) बनाने का काम भी शुरू कर दिया था। प्लान था कि गिद्ध के बच्चों को इसी एवियरी में रखा जाएगा और वन विभाग इस प्रकार से उन्हें ट्रेंड करेगा कि वे खुद से खाना-पीना सीख जाएं। इसके लगभग पांच माह बाद उन्हें एवियरी से बाहर छोड़ दिया जाएगा

रिजर्व इसलिए हुआ था चिन्हित

वीरांगना टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या में उम्मीद से ज्यादा इजाफा हुआ है।

देश में पाई जाने वाली गिद्ध की 9 प्रजातियों में से 7 प्रजातियां रिजर्व में मौजूद हैं। इस

समय सबसे ज्यादा संकट में भारतीय गिद्ध हैं, लेकिन पिछली दो गणनाओं में रिजर्व में सबसे ज्यादा संख्या भारतीय गिद्धों की मिली है। यही कारण है कि कैप्टिव ब्रीडिंग से जन्मे भारतीय गिद्ध के बच्चों को विकसित करने टाइगर रिजर्व को चिन्हित किया गया था।

1 साल में 492 से 870 हुई संख्या

टाइगर रिजर्व में स्थानीय गिद्धों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले साल अप्रेल 2024 में हुई ग्रीष्मकालीन गणना में कुल 492 गिद्ध वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पाए गए थे, जबकि इस साल हुई ग्रीष्मकालीन गणना में टाइगर रिजर्व में स्थानीय गिद्धों की संख्या बढ़कर 870 हो गई है, इसमें 814 वयस्क व 56 अवयस्क गिद्ध शामिल थे इस हिसाब से देखें तो एक साल के अंदर 378 गिद्ध बढ़े हैं।

इनका कहना है

प्रदेश में गिद्धों की सबसे ज्यादा हेल्दी जनसंख्या टाइगर रिजर्व की मानी गई है इसके साथ छेड़छाड़ नहीं करना है पहले प्लानिंग थी कि भोपाल में कैप्टिव ब्रीडिंग से जन्मे गिद्धों को टाइगर रिजर्व लाकर छोड़ेंगे, लेकिन बाद में निर्णय हुआ कि वह पालतू होकर यहां आएंगे, ऐसा न हो कि कहीं कोई बीमारी न फैला दें

डॉ. एए अंसारी, उप संचालक, टाइगर रिजर्व

कयासों का दौर शुरू | रोहित शर्मा ने अचानक क्यों लिया टेस्ट से संन्यास

बतौर कप्तान खराब फॉर्म, कोच गंभीर या कुछ और...!

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट को बुधवार को बड़ा झटका लगा, जब रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने का फैसला लिया। बुधवार को रोहित ने तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह फिलहाल टेस्ट में टीम इंडिया के कप्तान भी थे। हालांकि, आईपीएल के बीच में अचानकर उन्होंने यह फैसला क्यों लिया, यह चौंकाने वाला है। भारतीय टीम को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है और इस सीरीज से ही भारत ने नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत होगी। रोहित टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। वह वनडे में भारतीय टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। रोहित का टेस्ट में हाल फिलहाल में फॉर्म भी खराब रहा था। हालांकि, उन्होंने किस वजह से ये फैसला लिया, इसको लेकर फैंस उत्सुक हैं। खराब फॉम...खराब कप्तानी या फिर कोई और वजह है जिसने उन्होंने तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने के लिए मजबूर किया...आइए जानते हैं...

रोहित की कप्तानी में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज गंवाई

रोहित शर्मा को 2022 में टेस्ट प्रारूप का नियमित कप्तान बनाया गया था। तब से लेकर हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे तक वह क्रिकेट के सबले लंबे प्रारूप में टीम इंडिया के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में भारत ने 24 टेस्ट खेले और इसमें से सिर्फ 12 टेस्ट में टीम इंडिया को जीत मिली। नौ टेस्ट में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। तीन टेस्ट ड्रॉ रहे। रोहित की आलोचना तब से शुरू हुई, जब भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में अहम टेस्ट सीरीज गंवा बैठा। 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को कीवियों के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज जीतनी जरूरी थी, लेकिन भारतीय टीम वह सीरीज 3-0 से गंवा बैठी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी भारत को 3-1 से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में हार मिली। इस सीरीज में तो रोहित को आखिरी टेस्ट के लिए बेंच पर बैठा दिया गया। तब भी उनके संन्यास की अटकलें लगी थीं, लेकिन फिर उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से बात कर इन अटकलों का खंडन किया था। उन्होंने तब कहा था कि आगे क्या होगा किसी ने नहीं देखा और वह फॉर्म में वापसी का दम खम रखते हैं। सीरीज खत्म हुई और फिर भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। फिर आईपीएल की शुरुआत हुई और बीच में ही रोहित ने संन्यास का फैसला ले लिया।

बतौर कप्तान रोहित का टेस्ट में रिकॉर्ड

रोहित ने बतौर टेस्ट कप्तान 24 टेस्ट की 42 पारियों में 1254 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 30.58 का रहा। 131 रन की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही। इस दौरान उन्होंने चार शतक और चार अर्धशतक लगाए। हालांकि, एक जनवरी 2024 के बाद से रोहित का इस प्रारूप में फॉर्म बेहद खराब रहा था। उन्होंने इस दौरान 14 टेस्ट की 26 पारियों में 24.76 की साधारण औसत से 619 रन बनाए। इसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल है। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में रोहित ने तीन मैचों की छह पारियों में 15.17 की औसत से 91 रन बनाए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन टेस्ट की पांच पारियों में हिटमैन 6.20 की औसत से 31 रन ही बना पाए।

चयनकर्ताओं ने रोहित को दे दी थी चेतावनी

वह अपने खराब फॉर्म की वजह से इस प्रारूप में लगातार चर्चा में रहे थे। यही वजह थी कि इंग्लैंड दौरे से पहले चयनकर्ताओं ने उन्हें मैसेज दे दिया था कि वे उन्हें कप्तानी से हटा देंगे। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। चयनकर्ता इंग्लैंड दौरे पर किसी नए कप्तान के साथ जाना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक चयनकर्ता उम्र को देखते हुए नहीं, बल्कि रोहित के टेस्ट में प्रदर्शन को देखते हुए यह फैसला लेना चाहते थे। हालांकि, यह 38 वर्षीय खिलाड़ी वनडे में भारत का नेतृत्व करना जारी रखेगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए नया कप्तान चाहते हैं चयनकर्ता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, चयनकर्ताओं की सोच स्पष्ट है। वे इंग्लैंड दौरे के लिए एक नया कप्तान चाहते हैं और रोहित कप्तान के तौर पर फिट नहीं बैठते, खास तौर पर उनके लाल गेंद के फॉर्म को देखते हुए। चयनकर्ता अगले टेस्ट चक्र के लिए एक युवा कप्तान को तैयार करना चाहते हैं और चयन समिति ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि रोहित टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे। ऐसे में अगर रोहित बतौर खिलाड़ी भी इंग्लैंड का दौरा करते और उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं होता तो इस सीनियर बल्लेबाज को प्लेइंग-11 से फिर से ड्रॉप करना पड़ता। लेकिन अगर बतौर कप्तान उन्हें ड्रॉप करते तो मामला और पेचीदा हो सकता था। जानकारों का कहना है कि इसका टीम पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ता, जैसा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर महसूस किया गया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित ने खुद को बैटिंग ऑर्डर में डिमोट किया था, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा था। ऐसे में कप्तानी से हटाने के फैसले को देखते हुए भी रोहित ने टेस्ट से संन्यास लेना ही बेहतर समझा होगा।

इंग्लैंड में रोहित का बल्ले से रिकॉर्ड बेहतर

चेन्नई ने दिया केकेआर की उम्मीदों को झटका

नूर अहमद के बाद डेवाल्ड ब्रेविस व शिवम दुबे ने मचाया धमाल

कोलकाता , एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को दो विकेट से हरा दिया। बुधवार को ईडेन गार्डंस में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता केकेआर ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 179 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके ने 19.4 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 183 रन बनाए और सत्र की तीसरी जीत दर्ज की। इस शिकस्त ने केकेआर की प्लेऑफ की उम्मीदों को झटका दिया है। अजिंक्य रहाणे की टीम 12 मैचों में छह जीत और पांच हार के साथ छठे पायदान पर है। उनके खाते में 11 अंक हैं और नेट रन रेट 0.193 है। वहीं, चेन्नई के छह अंक हो गए। टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

भारतीय सशस्त्र बलों की खिलाड़ियों ने की सराहना- इस मुकाबले से पहले केकेआर और सीएसके के खिलाड़ी बीसीसीआई अधिकारियों के साथ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना के लिए सीमा रेखा के पास पंक्ति बनाकर खड़े हुए थे। ऑपरेशन सिंदूर एक जवाबी मिसाइल हमला था जो दिन के शुरुआती घंटों में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर किया गया था। कैब के अनुसार मैच के लिए स्टेडियम में कुल 42,373 दर्शक मौजूद थे। मैच से पहले राष्ट्रगान बजाया गया और खिलाड़ी सशस्त्र बलों को सम्मान देने के लिए सीमा रेखा के पास खड़े हुए। ईडेन गार्डंस की स्क्रीन पर संदेश दिखाया गया, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है।

चेन्नई की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई की आयुष म्हात्रे और डेवोन कॉन्वे की सलामी जोड़ी बिना खाता खोले पवेलियन लौट गई। इसके बाद उर्विल पटेल ने कुछ अच्छे शॉट खेले और 11 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए रविचंद्रन अश्विन सिर्फ आठ रन बना पाए जबकि रवींद्र जडेजा 19 रनों की पारी खेलकर आउट हुए। कोलकाता के खिलाफ छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डेवाल्ड ब्रेविस ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 22 गेंदों में अपने करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। वह 25 गेंदों में चार चौके और इतने ही छक्के की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने शिवम दुबे के साथ 41 गेदों में 67 रनों की साझेदारी निभाई। इसके बाद दुबे को महेंद्र सिंह धोनी का साथ मिला। दोनों ने 39 गेंदों में 43 रन जोड़े। हालांकि, दुबे अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने दौ चौके और तीन छक्की की मदद से 45 रन बनाए। इस मैच में महेंद्र सिंह धोनी 17 और अंशुल कंबोज चार रन बनाकर नाबाद रहे।

इंटर मिलान चैंपियंस लीग के फाइनल में

बार्सिलोना को 7-6 से हराया, पहला लेग ड्रॉ रहा था, दूसरा लेग 4-3 से जीता

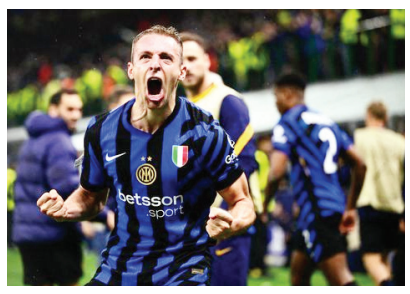

नई दिल्ली। इंटर मिलान ने बार्सिलोना को हराकर चैंपियंस लीग 2024-25 के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। मंगलवार को खेले गए दूसरे लेग में इंटर मिलान ने बार्सिलोना को 4-3 से हराया और दोनों लेग मिलाकर 7-6 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले बार्सिलोना के मोंटजुइक ओलिंपिक स्टेडियम में खेले गए पहले लेग में इंटर और बार्सिलोना का मुकाबला ड्रॉ रहा था।

21 वें मिनट में ही इंटर ने ले ली बढ़त- मैच के 21वें मिनट में ही इंटर ने गोल कर 1-0 की बढ़त बन ली। टीम से लौटरो मार्टिनेज ने डेनजेल डमफ्रीज के पास पर गोल किया। वहीं 45वें मिनट में हकन चालहानोग्लू ने गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त देकर मैच में आगे रखा।

हाफ टाइम के बाद बार्सिलोना ने वापसी की- बार्सिलोना की ओर से मैच के 54वें मिनट में एरिक गार्सिया ने गेरार्ड मार्टिन के क्रॉस को गोल में तब्दील कर स्कोर 1-2 कर दिया। वहीं 60 वें मिनट में डैनी ओल्मो ने मार्टिन के पास को हेडर से बॉल को गोल पोस्ट में पहुंचा कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। 87वें मिनट में बार्सिलोना की ओर से राफिन्हा ने गोल कर टीम को 3-2 से बढ़त दिला दी।

आईपीएल में आज देखने को मिलेगा रोमांचक मुकाबला

पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली के लिए करो या मरो का मुकाबला

नई दिल्ली , एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिये फॉर्म में चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को 'करो या मरो' के मुकाबले में हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। पिछले पांच मैचों में तीन हारने और एक बेनतीजा रहने के बाद दिल्ली 11 मैचों में 13 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली टीम अपने घरेलू मैदान अरूण जेटली स्टेडियम पर सिर्फ एक मैच सुपर ओवर में जीत पाई है । पहले चार मैच जीतने वाली दिल्ली की टीम को उम्मीद है कि मैदान बदलने से उसकी तकदीर भी बदलेगी । सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बारिश में धुले पिछले मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी ईकाई ने निराश किया । उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज 29 रन के स्कोर पर पवेलियन में थे और आशुतोष वर्मा की पारी के दम पर ही टीम 133 रन बना सकी । पिछले मैच में करूण नायर से पारी की शुरूआत कराने का दाव भी नहीं चला और वह खाता भी नहीं खोल पाये । दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसी गेंदबाजों की मददगार पिच पर शुरू ही से चौके छक्के लगाने के प्रयास में आउट हो गए । अभिषेक पोरेल अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं ।वहीं अब तक 381 रन बना चुके केएल राहुल लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं । अक्षर खुद जल्दी आउट हो गए थे । दिल्ली की बल्लेबाजी में हालांकि अभी भी गहराई है । ट्रिस्टन स्टब्स , विपराज निगम और आशुतोष ने उसे सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया । हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम बल्लेबाजों का मददगार रहा है । यहां पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच मैच में बड़ा स्कोर बना था । दूसरी ओर पंजाब किंग्स ने 11 में से सिर्फ तीन मैच गंवाये हैं और तालिका में तीसरे स्थान पर है । दिल्ली की बल्लेबाजी में निरंतरता का अभाव रहा है जबकि पंजाब के सलामी बल्लेबाजों ने उसे हमेशा शानदार शुरूआत दी है ।

टीम इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को जानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई।
दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

मासूमों को निशाना बनाने वाले कायर हैं, पुंछ में पाकिस्तान की गोलीबारी पर भड़कीं फातिमा

जम्मू-कश्मीर के पुंछ और आसपास के इलाकों में पाकिस्तान की ओर से की हाल ही में भारी गोलीबारी की गई। इस हमले में 12 मासूम लोगों की जान चली गई। इस हमले में घर, स्कूल और एक गुरुद्वारा भी निशाना बने, जिससे स्थानीय लोग सुरक्षित ठिकानों पर जाना पड़ा। इस घटना पर बॉलीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने गहरा दुख जताते हुए सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। फातिमा सना शेख ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, नियंत्रण रेखा के पास रहने वाले लोगों के बारे में सोच रही हूं। पुंछ और आसपास के इलाकों में पाकिस्तान की गोलीबारी में 12 मासूमों की जान चली गई, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। घर और एक गुरुद्वारा निशाना बने, परिवार अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे हैं। मासूमों को निशाना बनाना सबसे कायराना हरकत है। मेरी प्रार्थनाएं उन सभी के लिए है, जिन्हें हमने खो दिया, उन नागरिकों के लिए, जो इस भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं और उन सैनिकों की सुरक्षा के लिए जो सीमा पर डटकर मुकाबला कर रहे हैं। 7 मई 2025 की रात को पाकिस्तानी सेना ने पुंछ, राजौरी, कुपवाड़ा और बारामूला जैसे सीमावर्ती इलाकों में भारी गोलीबारी शुरू की। यह हमला भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में था, जिसमें भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था।

मेट्रो बाजार

डाबर इंडिया का चौथी तिमाही में मुनाफा 8 प्रतिशत गिरा

मुंबई। तेल, टूथपेस्ट से लेकर च्यवनप्राश और कफ सिरप बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया का जनवरी-मार्च तिमाही में नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 8.2 फीसदी गिरकर ?313 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में यह ?341 करोड़ रहा था।

ऑपरेशंस से चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 0.53त्न बढ़कर 2,830 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में ये 2,815 करोड़ रुपए रही थी। डाबर इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

तिमाही नतीजों में निवेशकों के लिए क्या?- चौथी तिमाही में नतीजों के साथ डाबर इंडिया ने अपने हर शेयरहोल्डर्स को प्रति शेयर 5.25 रुपए का डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को भी देती हैं, जिसे लाभांश कहा जाता है।

क्या कंपनी के नतीजे उम्मीद से अच्छे हैं?- वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में डाबर इंडिया का मुनाफा मार्केट विश्लेषकों की उम्मीद से बेहतर रहा है, यानी कंपनी ने इस बार बेहतर काम किया है।

एक साल में 14त्न गिरा डाबर इंडिया का शेयर- डाबर इंडिया का शेयर 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 480 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर पिछले एक महीने में 6 फीसदी चढ़ा है। एक साल में 14 फीसदी गिरा है। जबकि 6 महीने में 10 फीसदी गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 85.22 हजार करोड़ रुपए है। डाबर इंडिया लिमिटेड की शुरुआत 140 साल पहले 1884 में डॉक्टर एस. के. बर्मन ने की थी

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भारत को 1.8 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी

नई दिल्ली। भारत को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दरों में नरमी का रुख जारी रहने पर कच्चे तेल और एलएनजी के आयात पर 1.8 लाख करोड़ रुपये तक की बचत हो सकती है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बुधवार को यह अनुमान जताया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक और उपभोक्ता है। यह अपनी 85 प्रतिशत से अधिक की कच्चे तेल की जरूरत को आयात से पूरा करता है। देश ने वित्त वर्ष 2024-25 में विदेशों से कच्चा तेल खरीदने पर 242.4 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किए थे। भारत में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की मांग का लगभग आधा हिस्सा घरेलू उत्पादन से पूरा होता है। इस मद में आयात पर 15.2 अरब डॉलर खर्च किए गए। मांग के मोर्चे पर अनिश्चितता के बीच वैश्विक आपूर्ति बढ़ने के अनुमान के कारण इस सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें चार साल के निचले स्तर 60.23 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। रेटिंग एजेंसी ने एक टिप्पणी में कहा, ''इक्रा को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल की औसत कीमत 60-70 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रहेगी। इक्रा ने आगे कहा कि इस स्तर पर कच्चे तेल का उत्पादन करने वाली कंपनियों की आय वित्त वर्ष 2025-26 में 25,000 करोड़ रुपये रह सकती है।

विराट कोहली से विवाद के बीच अनुष्का का हाथ चूमते दिखे राहुल वैद्य, वीडियो वायरल

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और राहुल वैद्य को लेकर सोशल मीडिया पर एल्गोरिदम वाला विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है, इसी बीच राहुल और अनुष्का का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें राहुल, अनुष्का के लिए गाना गा रहे हैं और उन्हें किस करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो ने नेटिजेंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर मीम्स और मजाक का रूप ले चुका है।

राहुल और अनुष्का के इस पुराने वीडियो में राहुल स्टेज पर अनुष्का के लिए गाना गाते नजर आ रहे हैं और साथ ही इस दौरान राहुल ने अनुष्का के हाथ पर किस भी किया। यह वीडियो अब मीम्स और मजाक का कारण बनता जा रहा है। नेटिजेंस इस वीडियो को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

एल्गोरिदम को लेकर हुआ बवाल- राहुल ने हाल ही में खुलासा किया था कि विराट ने उन्हें इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया। इसके बाद, उन्होंने विराट के ÷इंस्टाग्राम एल्गोरिदम गड़बड़ी÷ वाले बयान का मजाक उड़ाया। राहुल ने मजाक में कहा कि शायद एल्गोरिदम ने ही उन्हें ब्लॉक किया होगा। फैंस इस वीडियो को विराट के ब्लॉक करने की वजह से जोड़कर मजेदार मीम्स बना रहे हैं। हालांकि यह सब मजाक-मस्ती में है, लेकिन राहुल और विराट के फैंस के बीच सोशल मीडिया पर हल्की-फुल्की नोकझोंक चल रही है।

क्या है पूरा मामला

हाल ही में क्रिकेटर विराट कोहली ने एक्ट्रेस अवनीत कौर की इंस्टाग्राम पोस्ट को लाइक किया, लेकिन जल्द ही उसे हटा दिया। फिर भी, लाइक का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे कई चर्चाएं शुरू हो गईं। इस पर विराट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में सफाई दी कि फीड साफ करते समय एल्गोरिदम ने गलती से इंटरैक्शन दर्ज कर लिया। उन्होंने कहा कि उनका कोई इरादा नहीं था और लोगों से बेवजह बातें न बनाने की अपील की। लेकिन उनकी सफाई के बाद भी यह मामला और बढ़ गया।

स्कूटर सवार युवक को ट्रक ने मारी टक्कर

भोपाल। चूनाभट्टी इलाके में एक ट्रक के चालक ने स्कूटर सवार युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से

घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार चंद्रभान अहिरवार (47) पुलिस विभाग में आरक्षक हैं। बीती तीन मई की देर रात उनका बेटा हरिवंश अहिरवार दोस्त की स्कूटर लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान चूनाभट्टी चौराहे के पास ट्रक ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पिता ने उसे इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचे और प्राथमिक उपचार के बाद हबीबगंज स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हरिवंश के शरीर में गंभीर चोट आई है। बुधवार को युवक के पिता ने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मैजिक की टक्कर से हुई बाइक सवार युवक की मौत

भोपाल। गुनगा इलाके में टाटा मैजिक लोडिंग वाहन चालक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में टक्कर मारने वाले अज्ञात टाटा मैजिक वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घायलों का चल रहा इलाज,

चालक पर केस दर्ज इस हादसे में घायल मृतक के पिता और एक अन्य व्यक्ति का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार बलवीर अहिरवार (32) ग्राम दिल्लौद थाना गुनगा में रहता है और मजदूरी करता है। बीती दो मई की शाम को वह अपने गांव के रामबाबू और उनके बेटे शुभम अहिरवार के साथ ग्राम दिल्लौद से हर्राखेड़ा की तरफ जा रहे थे। गाड़ी शुभम अहिरवार चला रहा था। तीनों लोग सहज वेयर हाउस के सामने पहुंचे, तभी सामने से आ रही टाटा मैजिक लोडिंग वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने शुभम अहिरवार को मृत घोषित कर दिया। घायल बलवीर और रामबाबू को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल टक्कर मारने वाले वाहन का नंबर नहीं मिल पाया है। पुलिस वाहन और चालक की तलाश कर रही है।

स्कूटर की टक्कर से बाइक सवार साढूभाई घायल

भोपाल। बिलखरिया इलाके में स्कूटर की टक्कर से बाइक सवार साढूभाई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल युवक के भाई की रिपोर्ट पर अज्ञात स्कूटर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सौरभ कुमार चढ़ार (22) मूलत- इंदौर का रहने वाला है। बीती तीन मई की शाम को सौरभ अपने साढूभाई श्रीराम के साथ बाइक लेकर इंदौर से खुरई जिला सागर जाने के लिए निकला था। अगले दिन सुबह करीब नौ बजे रायसेन रोड स्थित छावनी पठार आदमपुर रोड मोड़ के पास एक तेज रफ्तार स्कूटर चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में सौरभ और श्रीराम गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। सूचना मिलने के बाद बड़े भाई राजकुमार चढ़ार भोपाल पहुंचे और सौरभ को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया।

डीजीपी के मुख्य आतिथ्य में दीक्षांत समारोह

दीक्षांत परेड में उप पुलिस अधीक्षकों के *जज्बे* ने किया रोमांचित

एमपी पुलिस का हिस्सा बने 19 परिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जब अनुशासित कदम चाल, स्वाभिमान से ऊंचा मस्तक, गर्व से भरा सीना और देशभक्ति के जज्बे से ओत-प्रोत उप पुलिस अधीक्षकों की दीक्षांत परेड निकली तो कोई भी रोमांचित हुए बिना नहीं रह सका। भौंरी स्थित मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के परेड ग्राउंड में बुधवार को मध्यप्रदेश पुलिस के 43वें बैच के परिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षकों के भव्य एवं आर्कषक दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। मध्यप्रदेश पुलिस के महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने बतौर मुख्य अतिथि दीक्षांत परेड की सलामी ली और खुली जिप्सी में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। दीक्षांत परेड में शामिल हुए 19 परिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षक अब विधिवत रूप से मध्यप्रदेश पुलिस का हिस्सा बन गए हैं। पुलिस महानिदेशक श्री मकवाणा ने सभी प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उप पुलिस अधीक्षक पद पुलिस में एक महत्वपूर्ण पद है, जो फील्ड ऑफिसर्स को वरिष्ठ स्तर के पर्यवेक्षणकर्ता अधिकारियों से जोड़ता है। आपकी इंटीग्रिटी, ईमानदारी, कार्य दक्षता और संवेदनशीलता के गुण आपके कार्यकाल में मप्र पुलिस की रीढ़ को मजबूत करने में अहम् भूमिका निभाएंगे। यह एक युवा व उर्जावान अधिकारियों का वक्त है जो देशभक्ति जनसेवा के आशय को अपने कार्य से परिपोषित करेगा। नवीन कानूनों के तहत बैच को मिला प्रशिक्षण डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि यह उप पुलिस अधीक्षक बैच का प्रथम बैच हैं, जिसका मूल प्रशिक्षण नवीन आपराधिक कानून के तहत ही हुआ है। आप नवीन आपराधिक कानून पारित होने के समय ही प्रशिक्षित हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में आपका प्रशिक्षण नवीन आपराधिक कानून को प्रभावी बनाने तथा उसके अनुरूप सीसीटीएनएस को समझकर और उसमें परांगत होकर कार्यदक्षता दिखाने का अवसर प्रदान करता है। अपनी योग्यता को आप फील्ड में जाकर सिद्ध करेंगे, ऐसी मेरी आशा है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक व सामाजिक सौहार्द बनाए रखने और अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देंगे। इससे जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ेगा और क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी सुदृढ़ रहेगी।

आपसे मेरी अपेक्षा है कि आप नवीनतम टेक्नॉलॉजी से अपडेट रहेंगे। भविष्य में सायबर अपराधों के नित नवीन ट्रेण्ड्स को समझकर उसके अनुरूप अनुसंधान करने में सक्षम होंगे। दीक्षांत समारोह में दिखा जज्बा और जुनून बुधवार सुबह से ही निकली तेज एवं चमकदार धूप और पुलिस बैंड की मधुर धुन के बीच आयोजित हुई दीक्षांत परेड में पुरुषों के साथ-साथ महिला उप पुलिस अधीक्षकों का जज्बा और जुनून देखते ही बन रहा था। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में एक वर्ष के कठिन प्रशिक्षण में तपकर निकले कुल 19 उप पुलिस अधीक्षकों ने दीक्षांत परेड में हिस्सा लिया। इनमें 07 महिला उप पुलिस अधीक्षक शामिल थीं। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को साक्षी मानकर ली गई देश भक्ति व राष्ट्र सेवा की शपथ और दीक्षांत परेड के बाद ये सभी उप पुलिस अधीक्षक मध्यप्रदेश पुलिस की मुख्यधारा में शामिल हो गए। आरंभ में जब मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज लेकर निशान टोली गुजरी तो सभी ने खड़े होकर सैल्यूट किया। इसी तरह दीक्षांत परेड का भी करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी की प्रमुख सोनाली मिश्रा ने प्रशिक्षण का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। दीक्षांत परेड का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक आशुतोष त्यागी ने किया। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के पुलिस अधीक्षक नीरज पाण्डेय ने प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों को शपथ दिलाई। अंत में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने प्रशिक्षण में उत्कृष्ट रहे प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को शील्ड व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण राजा बाबू सिंह, डीसी सागर, आशुतोष राय, चंचल शेखर, पुलिस महानिरीक्षक अभय सिंह, पीएसओ टू डीजीपी विनीत कपूर सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गरिमामयी दीक्षांत समारोह के साक्षी बने। साथ ही बड़ी संख्या में प्रशिक्षु डीएसपी के परिजन भी उत्साहवर्धन के लिए पहुंचे थे।

लव जिहाद : फरार आरोपी की तलाश में पुलिस दे रही दबिश

मुख्य आरोपी फरहान समेत तीन जेल में

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रायवेट कालेज की छात्राओं को प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म करने, ब्लैकमेलिंग और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी अबरार की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। उसकी तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पिछले दिनों एक बार फिर से उसकी लोकेशन बंगाल में मिलना बताई गई है।

इधर घटना के मुख्य आरोपी फरहान समेत तीन आरोपियों को कोर्ट में पेश करेन के बाद जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार आरोपी फरहान और उसके साथियों अली तथा नबील को न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया है। एक आरोपी साहिल को पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। इधर मामले की जांच के लिए भोपाल पहुंची राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम अपनी जांच पूरी कर वापस दिल्ली रवाना हो गई है।

आयोग की टीम ने प्रायवेट कॉलेज से आरोपियों के शैक्षणिक दस्तावेज तलब किए थे। बताया जाता है कि काफी टालमटोली के बाद कालेज प्रबंधन ने यह दस्तावेज आयोग को उपलब्ध करवाए हैं। कालेज का निरीक्षण करने के दौरान आयोग की टीम को शिकायत रजिस्टर और विशाखा गाइड लाइंस के मुताबिक व्यवस्थाएं नहीं मिली थी।

राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने इस मामले की पीड़िताओं से मुलाकात कर उनके बयान लिए थे। इस दौरान यह बात भी सामने आई कि इंदौर की एक पीड़िता ने डायल-100 को काल किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। लीज रेंट वाली संपत्तियों की जांच करेगी निगम लव जिहाद के मामले में नगर निगम और जिला प्रशासन ने क्लब 90 परिसर स्थित अवैध निर्माण को तोड़ दिया था।

इसके साथ ही लीज रेंट भी निरस्त कर दी थी। जांच के दौरान पता चला कि जिस व्यक्ति के नाम पर लीजरेंट जारी की गई थी, उसने उसे दूसरे व्यक्ति को किराए पर दे दिया था।

नगर निगम की 115 लोकेशन पर करीब 7213 ऐसी संपत्तियां हैं, जिन्हें लीज रेंट पर दिया गया है। नगर निगम इन संपत्तियों की जांच करेगी और लीज रेंट का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

पिस्टल और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी की क्राइम ब्रांच ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास अवैध रूप से रखी देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी अशोका गार्डन थाने में दर्ज एक आपराधिक मामले में भी फरार चल रहा था।

जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि स्लाटर हाउस के नजदीक निर्माणाधीन मेट्रो स्टेशन के पास मौजूद एक युवक हथियार लेकर घूम रहा है।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम ने बताए गए संदेही को हिरासत में लिया

। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम आसिफ खान (26) निवासी हिनौतिया काछियान थाना स्टेशन बजरिया बताया।

तलाशी लेने पर उसके पास एक देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस रखे मिले, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी शहर में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए हथियार लेकर घूम रहा था। उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

मेट्रो एंकर : पंजाब मेल में एसी 1 में रौब गांठने वाले नकली अफसर पर ठोका जुर्माना

ट्रेन में टिकट चैकर ने मांगा आईडी और बिना टिकट पकड़े गए फर्जी डीआरएम!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खुद को डीआरएम बताकर रौब गांठ रहे अफसर की रेल्वे के टिकट चेकिंग स्टाफ ने अकड़ उतार दी। मामला पंजाब मेल में सामने आया है। टिकट चैकर अमरजीत सिंह ने ट्रेन नंबर 12138 में यह कार्रवाई की। उस व्यक्ति के पास कोई पहचान पत्र या टिकट नहीं था। बाद में पता चला कि उसका नाम वरुण सहगल है।

अब रेल्वे पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उस पर जुर्माना लगाया है। बताया जाता है कि टिकट चेकिंग स्टाफ अमरजीत सिंह पंजाब मेल में ड्यूटी कर रहे थे उन्होंने फर्स्ट क्लास के 1 कोच के कूपे में एक व्यक्ति को पाया। जब अमरजीत ने परिचय पूछा, तो उसने खुद को डीआरएम बताया। अमरजीत को शक हुआ। उन्होंने उससे पहचान पत्र और यात्रा की अनुमति दिखाने को कहा लेकिन वह व्यक्ति कुछ भी नहीं दिखा पाया। इसके बाद, अमरजीत ने रेलवे सुरक्षा बल को इसकी सूचना दी। आरपीएफ के जवानों ने उस व्यक्ति से पूछताछ की। उसने अपना नाम वरुण सहगल बताया।

उसके पास ऐसा कोई कागज भी नहीं था जिससे उसकी पहचान साबित हो सके। रेलवे सुरक्षा बल बीना के सहायक उप निरीक्षक कंचन कुमार ताम्रकार और राजकीय रेलवे पुलिस के सहायक उप निरीक्षक केवल सिंह को इस बारे में बताया गया लेकिन तब तक ट्रेन चल चुकी थी। इसलिए बीना में फर्जी डीआरएम को नहीं उतारा जा सका। इसके बाद उस व्यक्ति को दो कर्मियों के साथ भोपाल भेजा गया।

टीटीई ने उस फर्जी डीआरएम से 4170/- रुपए का किराया और जुर्माना वसूला। ट्रेन के भोपाल स्टेशन पर पहुंचने पर जीआरपी ने उस फर्जी डीआरएम को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी टीटीई के मेमो के आधार पर हुई। जीआरपी थाना भोपाल ने वरुण सहगल के खिलाफ अपराध क्रमांक 1621/25 धारा 145,146 के तहत रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की। उस पर 1500 रुपए का जुर्माना और 4100 रुपए का दंड लगाया।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से निकाले 10 हजार रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर इलाके में एटीएम पर रुपए निकालने पहुंचे एक बुजुर्ग व्यक्ति का दो युवकों ने कार्ड बदल दिया और उनके खाते से 10 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों का पता लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार देवकी नगर में रहने वाले उत्तम कुमार (59) लोक स्वास्थ्य विभाग की कोलार परियोजना में नौकरी करते हैं। सोमवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह डीआईजी बंगला चौराहा स्थित एटीएम बूथ पर रुपए निकालने पहुंचे थे। ट्रांजेक्शन होने के बाद उनका एटीएम कार्ड मशीन में ही फंस गया। इसी दौरान बूथ के बाहर खड़े दो युवकों ने मदद करते हुए उनका कार्ड निकाल कर दे दिया। घर लौटते समय रास्ते में उत्तम कुमार ने कार्ड देखा तो उसका रंग कुछ बदला हुआ नजर आया। जब उन्होंने ध्यान से कार्ड पढ़ा तो उसमें किसी दूसरे व्यक्ति का नाम लिखा हुआ था। वह वापस एटीएम पर पहुंचे तो दोनों युवक वहां से गायब हो चुके थे। उत्तम कुमार ने बैंक जाकर बैलेंस की जानकारी ली तो पता चला कि उनके खाते से 10 हजार निकाले जा चुके हैं।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई' निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/72/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए "https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा
1	38242622A	वियर प्लास्टी लाइनर फॉर योके पिन सपोर्ट प्लेट	16138 नंबर
2	40255018	हाई द्रवन राउंड कॉपर ड्रॉपर वायर	9000 किलोग्राम
3	65255002	EOT क्रेन कैपेसिटी	01 नंबर
4	40255015	स्विच बोर्ड कैबिनेट फॉर LHB EOG AC कोच	84 नंबर
5	38254139	हैंड व्हील फॉर बॉक्सन HL वैगन	8616 नंबर
6	8124WCRTP-70	मोनो–ब्लॉक कंक्रीट लाइन स्लीपर्स RT 8746	2310725 नंबर
7	20254501	सेट ऑफ़ डंपर्स शॉक अब्सॉर्बर्स	57 सेट
8	80251032	ट्रांसफार्मर आयल कन्फर्मिंग	47125 लीटर
9	50235072B	PIJF केबल	67.8 किलोमीटर

उपरोक्त निविदाओं की नियत तिथि **क्रमांक 1** – 22.05.2025, **क्रमांक 2** – 23.05.2025, **क्रमांक 3** – 29.05.2025, **क्रमांक 4 और 5** – 02.06.2025, **क्रमांक 6** – 03.06.2025, **क्रमांक 7 और 8** – 09.06.2025, एवं **क्रमांक 9** – 18.06.2025। 50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता.)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022